राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 329 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार, 06 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

आयकर विवरण भरने का नया पोर्टल कल से

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि वह सात जून को एक नया पोर्टल शुरू कर रहा है जिस पर करदाता आनलाइन विवरण प्रस्तुत कर सकेंगे। यह पोर्टल प्रस्तत विवरण की तत्काल प्रोसेसिंग की सुविधा से जुड़ा होगा और इससे कर रिफंड की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जा सकेगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के बयान के अनुसार यह पोर्टल इनकमटैक्स.जीओवी.इन सात जून को शुरू किया जाएगा। इससे करदाताओं को विवरण प्रस्तुत करने में सहजता का अनुभव होगा। सीबीडीटी एक नई कर भुगतान प्रणाली भी 18 जून का शुरू करने जा रहा है। पोर्टल पेश किए जाने के बाद में मोबाइल एप भी जारी किया जाएगा।

दिल्ली की घर-घर राशन योजना पर केंद्र की रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में हर घर तक राशन पहुंचाने की केजरीवाल सरकार की योजना पर केंद्र ने ब्रेक लगा दिया है। यह योजना एक हफ्ते बाद लागू होनी थी। इसकी सारी तैयारियां भी कर ली गई थीं। लेकिन दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से इस योजना की मंजूरी नहीं ली थी, जिसके चलते इसे रद्द कर दिया गया है। इससे पहले केंद्र और पश्चिम बंगाल की ममता सरकार के रिश्तों में तल्खी बढ़ गई थी। 15 मई को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने कैबिनेट की बैठक ली थी, जिसमें मुफ्त राशन योजना को लेकर फैसला किया गया।

सुशील की सुरक्षा में तमिलनाडु पुलिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार मंडोली जेल में बंद है। उसे जेल नंबर 15 में रखा गया है। सुशील को जेल में जान का खतरा है। जेल पहुंचने पर सुशील काफी डरा हुआ था। सुशील को डर है कि जेल में काला जखेड़ी के गुर्गे उसे निशाना बना सकते हैं। जेल में काला जखेड़ी गिरोह के गुर्गे भी बंद हैं। सूत्रों का कहना है कि सुशील की सुरक्षा के लिए जेल में खास इंतजाम किए गए हैं। सुशील को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखा गया है। सुशील की सुरक्षा तमिलनाडु पुलिस के जिम्मे है।

रिटायरमेंट के चार साल बाद दो ब्रिगेडियर प्रमोट

नईदिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दो ब्रिगेडियर को सेना से रिटायर होने के चार साल बाद और बल में प्रमोट होने के छह साल बाद मेजर जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस मामले में कॉर्प्स ऑफ इंटेलिजेंस के दो अधिकारी ब्रिगेडियर नलिन भाटिया और एजुकेशन कॉर्प्स के ब्रिगेडियर वीएन चतुर्वेदी शामिल थे, जो 2015 में मेजर जनरल के पद पर पदोन्नति के लिए अपने-अपने बैच के एकमात्र अधिकारी थे। अधिकारियों के वकील कर्नल इंद्र सेन सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा कि दोनों अधिकारियों को इस तथ्य के बावजूद पदोन्नत नहीं किया।

पेड न्यूज अपराध सूची में शामिल हो: सुशील चंद्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को लेकर पेड न्यूज को चुनाव अपराधों की सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। आयोग ने विधि मंत्रालय को जरूरी संशोधन का सुझाव दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने संकेत दिए हैं कि अगले साल पांच राज्यों उप्र, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, में तय समय पर चुनाव होंगे।

केंद्र की आखिरी चेतावनी मिलते ही लाइन पर आया ट्विटर,

बहाल किए उपराष्ट्रपति व आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत अन्य नताओं के ब्लू टिक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के नए आईटी नियम न मानने को लेकर सोशल मीडिया दिग्गज ट्विटर से तल्खी खत्म होने के बजाय बढ़ती जा रही है। जहां सरकार की तरफ से हर रोज नए आईटी नियम को लेकर नोटिस भेजे जा रहे थे, वहीं, इस बीच ट्विटर ने कई प्रमुख नेताओं के ब्लू टिक ही गायब कर दिए। सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा पहले उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के अकाउंट से ब्लू टिक हटा दिया गया, फिर ऋस् प्रमुख मोहन भागवत के अकाउंट के खिलाफ भी एक्शन लिया गया। हालांकि, केंद्र की तरफ से आखिरी सख्त चेतावनी दिए जाने के बाद ट्विटर लाइन पर आ गया है। नायडू के अकाउंट का ब्लू टिक पहले ही बहाल कर दिया गया था, जहां अब मोहन भागवत के अकाउंट को भी दोबारा वेरिफाइड कर दिया गया है।

ट्विटर ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और कृष्ण गोपाल सहित अन्य ऋस् प्रमुख पदाधिकारियों के ब्लू टिक को दोबारा लौटा दिया है।

बता दें कि माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने आज उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू समेत अन्य नेताओं के अकाउंट को अनवेरिफाइड कर दिया। हालांकि, बाद में इसे सुधार लिया गया। ट्विटर ने ऐसा होने के पीछे अपनी पॉलिसी बताई। ट्विटर ने कहा, हमारे वेरिफिकेशन पॉलिसी के अनुसार, यदि अकाउंट इनएक्टिव हो जाता है तो ब्लू वेरिफाइड बैच को हटाया जा सकता है। बताया गया कि सक्रिय तौर पर लॉग इन करना चाहिए। कम से कम 6 महीने में एक बार तो लॉग इन करना होगा।

केंद्र सरकार ने ट्विटर को नए डिजिटल नियम लागू करने को लेकर अंतिम चेतावनी दी है। सरकार ने कहा कि ट्विटर को नए आईटी नियमों का पालन करने के लिए आखिरी नोटिस दिया जा रहा है। अगर नियमों का पालन नहीं हुआ तो आईटी एक्ट 2000 की धारा 79 के तहत मिली छूट को खत्म कर दिया जाएगा और ट्विटर को आईटी एक्ट और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा। मंत्रालय ने कहा कि ये नियम 26 मई, 2021 से प्रभावी हैं, लेकिन सद्भावना के तहत ट्विटर इंक को एक आखिरी नोटिस के जरिये नियमों के अनुपालन का अवसर दिया जाता है।

अकाउंट रजिस्टर होने के बाद लोगों को सक्रिय तौर पर लॉग इन करना होता है। अपने अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए यूजर को कम से कम 6 महीने में एक बार तो लॉग इन करना ही होगा। लंबे समय तक यदि लॉग इन नहीं होता है तो अकाउंट को स्थायी तौर पर हटा दिया जा सकता है। लॉग इन के आधार पर ट्विटर यूजर की एक्टिविटी को ट्रैक करता है। उपराष्ट्रपति के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दो शीर्ष नेताओं अरुण कुमार व सुरेश सोनी के ट्विटर अकाउंट से भी वेरिफाइड करने वाला ब्लू टिक हटा लिया गया। उनके अकाउंट से ब्लू टिक फिर वापस आ गया है। उपराष्ट्रपति ने 23 जुलाई 2020 को अंतिम ट्वीट किया था वहीं संघ के दोनों नेताओं के अकाउंट में एक भी ट्वीट पोस्ट ही नहीं किया गया है।अकाउंट के एक्टिव होने की जांच उसके पिछले 6 महीने के आंकड़ों से लिया जाता है कि यूजर ने अपने हैंडल का इस अवधि में इस्तेमाल किया है या नहीं। दरअसल माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने आज उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू समेत अन्य नेताओं के अकाउंट को अनवेरिफाइड कर दिया था। ट्विटर ने इस मामले में सफाई दी और कहा कि इनके अकाउंट पिछले कई महीनों से एक्टिव नहीं थे।

गोवा में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप जारी, सीएम प्रमोद सावंत ने 14 जून तक कर्फ्यू बढ़ाने का लिया फैसला

गोवा सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के चलते राज्य में 14 जून तक कर्फ्यू बढ़ा दिया है. राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने ट्वीट कर कहा, ÷हमारी सरकार ने राज्य में 14 जून सुबह सात बजे तक कर्फ्यू बढ़ाने का फैसला किया है. आवश्यक दुकानों के लिए निर्धारित समय को बढ़ाकर सुबह सात बजे से अपराह्न तीन बजे तक किया जाएगा. साथ ही मकान व भवन की मरम्मत, मानसून की तैयारियों या बारिश से बचाव व स्थिर वस्तुओं से संबंधित दुकानों को खोलने की अनुमति होगी.

सीएम सावंत ने कुछ दिनों पहले कहा था कि हम 6 जून को समीक्षा करेंगे कि कर्फ्यू को कैसे आगे बढ़ाया जाए या इसमें में संशोधन कैसे किया जाए. यह पूछे जाने पर कि क्या वह कर्फ्यू के प्रभाव से संतुष्ट हैं, सावंत ने कहा कि यह कहने से ज्यादा कि क्या मैं संतुष्ट हूं, हमें यह देखना होगा कि मृत्यु दर कितनी कम हुई है, पॉजिटिविटी दर कम हुई है या लोग कितने अनुशासित हो गए हैं, यह अधिक महत्वपूर्ण है.

कोरोना से अनाथ हुए छात्रों का आंकड़ा सरकार ने मांगा- वहीं, गोवा में शिक्षा विभाग ने शनिवार को राज्य में संबद्ध अकादमिक संस्थानों से उन छात्रों का ब्योरा मांगा है जो कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता में से एक को अथवा दोनों को खो चुके हैं.

शिक्षा निदेशक डी आर भगत ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया और संस्थानों को ऐसे छात्रों का आंकड़ा संकलित करने तथा सोमवार तक इसे विभाग में जमा कराने को कहा है. परिपत्र के अनुसार, ''हाल में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के चलते कई बच्चे अनाथ हो गए हैं. महामारी के कारण कई बच्चे अनाथ हो गए हैं या अपने माता-पिता में से किसी एक को खो चुके हैं.

परिपत्र में कहा गया है कि सेवा प्रदाताओं के लिए संस्थान में बच्चों को मनोवैज्ञानिक व मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों के साथ मदद पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. नई दिल्ली में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने विभाग को 'बाल स्वराज पोर्टल' पर यह सूचना अपलोड करने को कहा है. गोवा में शुक्रवार शाम तक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 1,58,423 मामले आये थे जबकि राज्य में महामारी से मरने वालों की संख्या 2,727 है.

2022 में पांच राज्यों के होने वाले चुनाव के लिए बीजेपी ने कसी कसर, नड्डा के घर हुई अहम बैठक

नई दिल्ली । अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अभी से कमर कस ली है. शनिवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के महासचिवों और पार्टी के विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों के साथ संगठन और वर्ष 2022 में होने वाले पांच राज्यों के चुनाव पर व्यापक मंथन किया. जेपी नड्डा के घर पर सुबह 11 से शाम साढ़े पांच बजे तक चले बैठकों के दौर में पार्टी के सभी महासचिव मौजूद रहे.

बैठक में पार्टी के पांचों मोर्चों के राष्ट्रीय अध्यक्षों ने भी हिस्सा लिया और मोर्चों के कामकाज की जानकारी दी. सूत्रों के अनुसार इस बैठक में कोरोना काल में देश भर में चलाए जा रहे विशेष अभियान सेवा ही संगठन कार्यों के फीडबैक पर चर्चा हुई. साथ ही हालिया संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के

नतीजों की भी समीक्षा की गई. इसके अलावा, केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का बीजेपी शासित प्रदेशों के अलावा अन्य राज्यों में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के गरीब कल्याण योजनाओं को, और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को ग्राउंड जीरो तक संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच ले जाने की रणनीति पर चर्चा हुई. नड्डा ने कहा कि बीजेपी कोरोना वायरस की दूसरी लहर की शुरुआत से ही सेवा ही संगठन के जरिए देशभर में राहत और सहायता कार्य में जुट गई थी. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वो भविष्य में कोरोना जैसे संकट के समय तैयार रहें.

अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर हुई चर्चा

अगले साल की शुरुआत में बीजेपी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब के चुनाव में जाना है. इसके बाद भी कुछ राज्यों के चुनाव होने हैं जिनमें गुजरात भी शामिल है. साथ ही बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों को भी तेज करने के लिए लंबी चर्चा हुई. बैठक के बाद जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बी.एल संतोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. सूत्रों की मानें तों दोनों नेताओं द्वारा पार्टी संगठन की तरफ से प्रधानमंत्री को फीडबैक दिया गया और आगामी चुनावों लेकर भी पार्टी प्रोग्राम और तैयारियों को लेकर मंथन हुआ.

जेपी नड्डा के घर पर रविवार को भी सभी राज्यों के प्रभारियों के साथ चर्चा होगी. सूत्रों की माने तो सेवा ही संगठन के कार्यों के जरिए बीजेपी अगले साल होने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी जमीन मजबूत करने के लिए कदम दर कदम रणनीति बना रही है. बीजेपी का नेतृत्व इस बात को अच्छी तरह से जानता है कि कोरोना की दूसरी लहर में मोदी सरकार और बीजेपी शासित राज्यों में विपक्ष ने उनकी ईमेज को नुकसान पहुंचाया है.

आठवें माह एक लाख करोड़ के पार जीएसटी संग्रहण

2020 के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा रहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार का माल एवं सेवा (जीएसटी) संग्रह (कलेक्शन) मई में 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह लगातार आठवां महीना है, जबकि जीएसटी संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव सीमित रहा है। मई, 2021 में जीएसटी संग्रह पिछले साल के समान महीने की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है।

मई, 2020 में जीएसटी संग्रह 62,009 करोड़ रुपए रहा था। पिछले साल कोविड-19 की वजह से राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। इससे जीएसटी संग्रह में भी गिरावट आई थी। हालांकि, मई महीने का जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2021 के 1.41 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड से कम रहा है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, मई में कुल जीएसटी संग्रह 1,02,709 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 17,592 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का हिस्सा 22,653 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का हिस्सा 53,199 करोड़ रुपए रहा। इसमें 26,002 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए जबकि उपकर का हिस्सा 9,265 करोड़ रुपए रहा। उपकर में 868 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए।

देश में कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था

देश एक तरफ कोरोना महामारी ने उत्पात मचा तो वहीं लॉकडाउन में कमर तोड़ महंगाई आम लोगों के जीवन पर असर डाल रही है। लॉकडाउन के चलते कंपनियां, फैक्ट्रियां और उद्योग-धंधे चौपट हो गए हैं। इसी बीच नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर ने निश्चित तौर पर अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2021-2022 की जीडीपी अनुमान को 10.5 फीसदी से घटाकर 9.5 फीसदी कर दिया है। जो पहली तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली है। इसको सुधरने में वक्त लगेगा। जून से अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। हालांकि, अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से बढ़नी चाहिए उस अनुपात में तो नहीं बढ़ेगी, लेकिन स्थिति में सुधार जरूर आएगी।

महाराष्ट्र में मानसून ने दी दस्तक

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शनिवार को पहुंचे दक्षिण पश्चिम मानसून से राज्य के कुछ तटीय हिस्सों में बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक शुभांगी भुते ने कहा, मानसून उम्मीद के मुताबिक रहा है। इस बार के मॉनसून से उन्होंने अच्छी बारिश होने की उम्मीद जताई है। दक्षिण पश्चिम मानसून महाराष्ट्र में पहुंच गया है। यह औपचारिक रूप से तटीय रत्नागिरी जिले में हरनाई बंदरगाह में पहुंच गया है। 15 जून तक यह पूरे महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य और दक्षिण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्से, झारखंड, बिहार और दक्षिण ओडिशा को कवर कर लेगा।

मिल्खा सिंह की हालत स्थिर

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पीजीआई में भर्ती फ्लाइंग सिख पद्मश्री मिल्खा सिंह की हालत स्थिर बनी हुई है। उनके बारे में शनिवार को फैली अफवाह पर पीजीआई प्रशासन ने विराम लगाते हुए इंटरनेट मीडिया पर इलाज के दौरान की एक फोटो जारी की। पीजीआई की ओर से बताया गया है कि उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। शनिवार को इंटरनेट के जरिये यह अफवाह फैली कि पद्मश्री मिल्खा सिंह अब नहीं रहे। इससे खेल जगत से जुड़े लोग और खेल प्रेमी हैरान रह गए।

पर्यावरण की खातिर 2025 तक पेट्रोल में 20 फीसद एथनाल मिश्रण का पूरा करेंगे लक्ष्य- पीएम मोदी

नई दिल्ली । विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल में 20 फीसद एथनाल के मिश्रण के लक्ष्य को अब वर्ष 2025 तक हासिल कर लेने का एलान किया। अभी तक यह लक्ष्य 2030 तक हासिल करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री ने जैविक खेती और जैव ईंधन के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि एथनाल 21वीं सदी के भारत की बड़ी प्राथमिकता से जुड़ गया है। इसके इस्तेमाल से पर्यावरण के साथ ही किसानों के जीवन पर बेहतर प्रभाव पड़ रहा है।

क्लाइमेट जस्टिस का अगुवा बनकर उभरा भारत- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज क्लाइमेट जस्टिस का अगुवा बनकर उभर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जैविक खेती और जैव ईंधन के उपयोग पर देश भर के किसानों के साथ चर्चा की। साथ ही बेहतर पर्यावरण के लिए जैव ईंधन को तहत जो काम हाथ में लिया गया, उसे तय समय से पहले पूरा किया गया। पेट्रोल में अभी 8.5 फीसद एथनाल का मिश्रण प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 तक भारत में पेट्रोल में औसतन सिर्फ एक-डेढ़ प्रतिशत एथनाल का ही मिश्रण किया जाता था। अब यह बढ़कर 8.5 फीसद हो गया है।

एथनाल की बिक्री से देश के किसानों को बड़ा लाभ- वर्ष 2013-14 में जहां देश में 38 करोड़ लीटर एथनाल खरीदा जाता था, वहीं अब इस का अनुमान 320 करोड़ लीटर से ज्यादा का है। यानी आठ गुना ज्यादा एथनाल खरीदा गया है। बीते साल ही तेल कंपनियों ने करीब 21 हजार करोड़ रुपये का एथनाल खरीदा है। इसका एक बड़ा हिस्सा देश के किसानों को गया है। किसानों को हो रहा फायदा प्रधानमंत्री ने कहा कि एथनाल की बिक्री से देश के किसानों, विशेष रूप से गन्ना किसानों को बहुत लाभ हुआ है। वर्ष 2025 तक जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण होने लगेगा, तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि किसानों को कितनी बड़ी मात्रा में तेल कंपनियों से सीधे पैसे मिलेंगे।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे पीएम ने इस मौके पर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का भी जिक्र किया और कहा कि भारत इससे निपटने के तेजी से आगे बढ़ रहा है। जो दुनिया पहले भारत को चुनौती के रूप में देखती थी, वही आज इस संकट के खिलाफ एक बड़ी ताकत बनकर खड़ा है। भारत जलवायु परिवर्तन के प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष के दस देशों में शामिल है। हम सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे है। पिछले छह सालों में इस क्षेत्र में देश की क्षमता करीब पंद्रह गुना बढ़ी है। इस दौरान उन्होंने इलेक्टिक वाहन, प्लास्टिक उपयोग से बचने, एयरपोर्ट को एलईडी लाइटों से रोशन करने सहित पर्यावरण संरक्षण को लेकर उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया।

पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए।

भारत और चीन के बीच गतिरोध पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिया बयान

सेंट पीटर्सबर्ग । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को भारत और चीन के बीच सीमा जारी तनाव के मसले पर अपनी बात रखी। पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दोनों ही जिम्मेदार नेता है। दोनों ही नेता भारत और चीन के बीच मुद्दों का समाधान करने में सक्षम हैं। पुतिन ने दो-टूक कहा कि किसी भी ताकत को इस प्रक्रिया में दखलंदाजी नहीं करना चाहिए।

साझेदारी किसी के खिलाफ नहीं होनी चाहिए- रूस द्वारा चार देशों के समूह क्वाड की सार्वजनिक आलोचना करने के बीच पुतिन ने कहा कि किसी राष्ट्र को किसी पहल में किस तरह शामिल होना चाहिए इसका आकलन किया जाना चाहिए। किसी राष्ट्र को अन्य देशों के साथ किस सीमा तक संबंध बनाने चाहिए इसके आकलन का काम हमारा नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी साझेदारी किसी अन्य के खिलाफ एकजुट होने के मकसद से नहीं होनी चाहिए।

पड़ोसी देशों के बीच ऐसे मसले आम - क्वाड में भारत के शामिल होने पर मॉस्को की राय के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पुतिन ने यह बयान दिया। गौर करने वाली बात है कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बीजिंग के प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया है। भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव को लेकर रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि पड़ोसी देशों के बीच ऐसे मुद्दे होते हैं।

मोदी और चिनफिंग दोनों जिम्मेदार नेता - पुतिन ने डिजिटल संवाद में कहा कि मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दोनों के रुख से अवगत हूं। वे बहुत ही जिम्मेदार लोग हैं और एक-दूसरे के साथ पूरे सम्मान के साथ पेश आते हैं। मुझे भरोसा है कि सामने कोई भी मसला के यों न आ जाए दोनों ही नेता उसका समाधान निकाल लेंगे। हालांकि इसमें बेहद जरूरी यह है कि क्षेत्र से इतर किसी भी ताकत को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

भारतीय कंपनियों द्वारा रूस निर्मित कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक वी का उत्पादन शुरू करने की तैयारियों के बीच राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि रूस दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जो इसकी तकनीक हस्तांतरित करने के लिए तैयार है।

उन्होंने बताया कि हमारा मकसद विदेश में वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि 66 देशों में रूस की वैक्सीन बेची जा रही है। स्पुतनिक वी की प्रभावशीलता को लेकर आरोपों को खारिज करते हुए पुतिन ने कहा कि यूरोप में वैक्सीन रजिस्ट्रेशन में देरी का कारण व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक हित है।

मुस्लिम देशों को दरकिनार कर यूएई ने इजरायल से किए 25 समझौते

दुबई, (एजेंसी)। फिलिस्तीन के मामले पर मुस्लिम देशों की चेतावनी के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात इजरायल के साथ आर्थिक क्षेत्र में लगातार साझेदारी बढ़ा रहा है।दुबई में आयोजित हुए ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फोरम में दोनों देशों के दिग्गज जुटे और आगे की कारोबारी रणनीति पर चर्चा की।प्रतिभागियों ने पर्यटन को बढ़ावा देने, रोजगार, टेक्नोलॉजी शेयरिंग, अर्थव्यवस्था और पीने के पानी की किल्लत पर चर्चा की। पिछले साल सितंबर में इजरायल और यूएई में द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य होने के बाद हजारों इजरायली सैलानी अरब देश की यात्रा पर पहुंचे। ज्यादातर इजरायली पर्यटकों ने अबू धाबी या दुबई को अपने पसंदीदा शहर के तौर पर चुना।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों देशों के बीच व्यापार पहले ही 35.4 करोड़ डॉलर से अधिक हो चुका है। यूएई के विदेश व्यापार राज्य मंत्री थानी बिन अहमद अल-जायौदी ने बताया कि दोनों देशों ने 15 से अधिक क्षेत्रों में लगभग 25 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फोरम में आए दोनों देशों के दिग्गजों की बातचीत में फिलिस्तीनियों से संघर्ष की छाया भी नजर नहीं आई। वैसे भी यूएई फिलिस्तीन के मुद्दे पर इस बार इजरायल का कड़ा विरोध करता नजर नहीं आया। फिलिस्तीन, तुर्की और ईरान ने इजरायल पर यूएई के रुख की कड़ी आलोचना भी की थी।

मगर ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फोरम इजरायल और फिलिस्तीन के संघर्ष से अछूता रहा। बुर्ज खलीफा टॉवर में स्थित आलीशान अरमानी होटल में आयोजित कार्यक्रम में दिग्गजों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचे अबू धाबी में इजरायल के राजदूत ईतन नाह ने कहा, आज जो हो रहा है,यह पहले नहीं हुआ था।अगर आपने मुझसे एक साल पहले बात की होती,तब मुझे अनुमान नहीं होता कि (हम) आज यहां दुबई में इन सभी चीजों के बारे में बात करेंगे। ईतन नाह ने कहा, पिछले साल 15 सितंबर को अमेरिका की अध्यक्षता में इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात में हुए समझौते के बाद यह पहली बार है जब निवेश को लेकर पहला फेस-टू-फेस कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

अबू धाबी इन्वेस्टमेंट ऑफिस के महानिदेशक तारिक बिन हेंडी ने बताया कि उनके देश ने इजरायली कंपनियों को यूएई में स्थापित होने में मदद की है। इस ऑफिस का मकसद अबू धाबी में विदेशी निवेश को आकर्षित करना और निजी क्षेत्र में विविधता लाना है। तारिक बिन हेंडी ने कहा, हम चाहते हैं कि इजरायल के लोग और बाकी दुनिया के लोग हमारे साथ आएं, और हमारी मदद करें, हमारे साथ काम करें, हमसे सीखें, हमें अपने से सीखने की अनुमति दें, और अंततः संबंध मजबूत बनाएं।

फेसबुक ने दो साल के लिए किया डोनाल्ड ट्रंप का अकाउंट बैन

सैन फ्रांसिस्को, (एजेंसी)। फेसबुक ने कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को दो साल के लिए निलंबित कर रहा है। फेसबुक ने कहा कि जांच में यह पाया गया कि छह जनवरी को कैपिटल बिल्डिंग पर हमले से पहले उन्होंने हिंसा को बढ़ावा दिया था।

फेसबुक के उपाध्यक्ष (वैश्विक मामलों) निक क्लेग ने एक पोस्ट में कहा कि इस अवधि के अंत के बाद, यह आकलन करने के लिए विशेषज्ञों का सहारा लिया जाएगा कि सार्वजनिक सुरक्षा के जोखिम कम हुए हैं या नहीं। फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग की उस विवादित नीति को भी खत्म करने की भी योजना है जिसमें नेता स्वतः ही घृणा अपराध के नियमों से बच जाते थे।

इंडोनेशिया के एक आइलैंड पर जहाज के फंसने के बाद सैकड़ों रोहिंग्या मुसलिम शरणार्थी फंस गए है। इन लोगों को जहाज से कैंप में भेजा जा रहा है।

लंदन में आयोजित जी 7 के वित्त मंत्रियों की बैठक के दौरान आईएमएफ चीफ क्रिस्टालीना का स्वागत करते ब्रिटेन की चांसलर के प्रतिनिधि ऋषि सुनक।

फाइजर वैक्सीन पर अध्ययन से भारत में उम्मीदों को झटका

लंदन, (एजेंसी)। भारत में जल्द ही फाइजर बायोएनटेक की कोरोना वायरस वैक्सीन भी आ सकती है। हालांकि एक अध्ययन के अनुसार भारत में पाए गए कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप (बी.1.617.2) के खिलाफ यह वैक्सीन कम ऐंटीबॉडी पैदा करती है। वहीं, कुछ दिन पहले एक अमेरिकी अध्ययन में इसे डेल्टा वेरियंट पर असरदार पाया गया था। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि वायरस को पहचानने और उसके खिलाफ लड़ने में सक्षम ऐंटीबॉडी बढ़ती आयु के साथ कमजोर होती चली जाती है और इसका स्तर समय के साथ गिरता चला जाता है। इसमें कहा गया है कि फाइजर-बायोएनटेक टीके की केवल एक खुराक देने से लोगों में बी.1.617.2 स्वरूप के खिलाफ ऐंटीबॉडी का स्तर विकसित होने की संभावना इसके पिछले स्वरूप बी.1.1.7 (अल्फा) की तुलना में कम है। ब्रिटेन के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट के अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है कि केवल ऐंटीबॉडी का स्तर ही टीके की प्रभावकारिता की भविष्यवाणी नहीं करता बल्कि संभावित रोगियों पर अध्ययनों की भी जरूरत होती है। अध्ययन के दौरान कोविड रोधी टीके फाइजर-बायोएनटेक की एक या दोनों खुराकें ले चुके 250 स्वस्थ लोगों के रक्त में, पहली खुराक लेने के तीन महीने बाद तक ऐंटीबॉडी का विश्लेषण किया गया।

इससे पहले सामने आई न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में बताया गया कि यह मानने के लिए पर्याप्त वजह है कि टीका लगा चुके लोग बी.1.617 और बी.1.618 वेरियंट से सुरक्षित रहते हैं। इस रिसर्च में कोविड के शुरूआती वेरियंट से ठीक हो चुके आठ लोगों के सीरम के सैंपल लिए गए। इसके अलावा फाइजर का टीका लगवा चुके आठ लोगों के और मॉडर्ना के टीके लगवा चुके तीन लोगों के सैंपल भी लिए गए। फाइजर की भारत में भी किसी भी टीके की मंजूरी के पहले स्थानीय परीक्षण के मामले में सरकार से बातचीत चल रही थी। इसमें भी कंपनी को छूट मिल गई है। इससे पहले फाइजर ट्रायल वाली शर्त के बाद इमरजेंसी इस्तेमाल से आवेदन वापस ले लिया था। वहीं फ्रांस में किए गए एक अध्ययन में पाया गया था कि भारत में मिले कोरोना वायरस वेरियंट के खिलाफ फाइजर की वैक्सीन असरदार है। एक सरकारी अधिकारी ने पहले संभावना जताई थी कि जुलाई तक भारत में फाइजर की वैक्सीन आ सकती है।

कोविड-19 रोधी दो अरब टीके सिर्फ भारत, अमेरिका और चीन के पास पहुंचे

जेनेवा, (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा कि अभी तक विश्व भर में वितरित कोविड-19 रोधी दो अरब टीकों में से करीब 60 प्रतिशत टीके महज तीन देशों चीन, अमेरिका और भारत को मिले हैं। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस अदहानोम गेब्रेयेसस के वरिष्ठ सलाहकार ब्रुस एलीवर्ड ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, इस हफ्ते हमें दो अरब से अधिक टीके मिलने वाले हैं, हम टीकों की संख्या और नए कोविड-19 रोधी टीकों के लिहाज से उल्लेखनीय दो अरब टीकों का आंकड़ा पार कर लेने वाले है। इन्हें 212 से अधिक देशों में वितरित किया गया है। उन्होंने कहा, अगर हम दो अरब टीकों की तरफ देखने पर 75 प्रतिशत से अधिक खुराक महज 10 देशों को मिली है। यहां तक कि 60 फीसदी टीके तीन देशों चीन, अमेरिका तथा भारत को मिले हैं।

एलीवर्ड ने कहा कि कोवैक्स ने कोविड-19 रोधी टीके 127 देशों में वितरित करने और कई देशों में टीकाकरण अभियान शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि दो अरब टीकों में से चीन, भारत और अमेरिका को मिली 60 प्रतिशत खुराकों को घरेलू रूप से खरीदकर इस्तेमाल किया गया।एलीवर्ड ने कहा कि केवल 0.5 प्रतिशत टीके कम आय वाले देशों को गए,जो दुनिया की आबादी का 10 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा, अब दिक्कत यह है कि टीकों की आपूर्ति बाधित हो रही हैं। भारत तथा अन्य देशों में दिक्कतों के कारण बाधाएं हो रही है तथा इस खाई को भरने में मुश्किल हो रही है।

कोई रोडमैप है तो भारत से बात करने को तैयार : इमरान

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अगर कश्मीर में दोबारा से पुरानी स्थिति बहाल की जाती है, तो वो भारत से बात करने के लिए तैयार हैं। इमरान खान ने कहा कि अगर कश्मीर को लेकर कोई रोडमैप है तो हां, हम बात करेंगे। हालांकि, इस बारे में भारत की ओर से भी कोई कमेंट नहीं किया गया है। मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटा दिया था। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी बांट कर दोनों को ही केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था। हालांकि, जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है, जबकि लद्दाख में विधानसभा नहीं है।

अभी कुछ दिन पहले ही इमरान खान ने कहा कि वो अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान से जाने से पहले एक राजनीतिक समझौता करने पर जोर दे रहे हैं, ताकि पड़ोसी मुल्क में गृहयुद्ध के खतरे को टाला जा सके। अमेरिका ने कहा है कि वो 11 सितंबर को अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लेगा। अफगानिस्तान में पिछले दो दशकों से भी ज्यादा लंबे वक्त से अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इस घोषणा के बाद से ही अफगानिस्तान में हिंसा तेजी से बढ़ी हैं। इमरान खान ने कहा, जब से अमेरिका ने अपने सैनिकों की वापसी की घोषणा की है, तब से तालिबान को लग रहा है कि उसने जंग जीत ली। उन्होंने कहा, अगर वहां गृहयुद्ध के हालात बनते हैं और शरणार्थी संकट खड़ा होता है तो अफगानिस्तान के बाद पाकिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। पाकिस्तान पर लंबे समय से तालिबान के नेताओं और उसके कट्टरपंथियों को शरण देने का आरोप लगता रहा है। कहा जाता है कि 1996 में तालिबान पाकिस्तान की मदद के कारण ही सत्ता में आ पाया था। जबकि, इसी तालिबान ने अमेरिकी सैनिकों से लड़ाई लड़ी थी।

चीन तक पहुंचा भारत में मिला वेरिएंट, लॉकडाउन जैसा हाल

पेइचिंग, (एजेंसी)। कोरोना वायरस इन्फेक्शन के सबसे पहले केस चीन में पाए गए थे। करीब डेढ़ साल बाद भारत में पाया जाने वाला वेरियंट दक्षिण चीन के गुआंगझू में मिला है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली बार वायरस का कम्यूनिटी ट्रांसमिशन पाए जाने के बाद शहर में लोगों से घर पर ही रहने के लिए कहा गया है। गुआंगझू में गुरुवार को 6 नए मामले और एक बिना लक्षणों का मामला पाया गया। इसका साथ की कुल संख्या 64 हो गई। यहां एक डॉक्टर चाई वेईपिंग ने बताया कि हाल में पाए गए मामले पहली बार भारत में पाए गए वेरियंट के हैं। इनका इन्क्यूबेशन पीरियड कम है और वायरल लोड ज्यादा। ये तेजी से फैल सकते हैं। भारत में पाए जा चुके म्यूटेट हो चुके वायरस कम्यूनिटी ट्रांसमिशन चीन में पहली बार पाया गया है।

वहीं वुहान यूनिवर्सिटी के एक वायरॉलजिस्ट यान्ग जानकी ने अखबार को बताया है कि इस बार वायरस उतनी तेजी से नहीं फैल रहा जितनी तेजी से पिछले जून में पेइचिंग के शिनफदी बाजार में फैला था। तब वेरियंट यूरोप से आया था। तब दो हफ्ते में 269 मामले सामने आए थे और इस बार 77 केस मिले हैं। अखबार ने भारत को सलाह दी है कि वायरस को तेजी से फैलने से रोकने के लिए गुआंगझू जैसे कड़े कदम उठाने चाहिए।

गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप में कोरोना वायरस की उत्पत्ति का सच जानने के लिए इसके वुहान की वायरॉलजी लैब से फैलने की थिअरी की जांच की मांग की जा रही है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि एक बंद पड़ी खदान की सफाई के दौरान बीमार हुए मजदूरों के सैंपल वुहान लैब भेजे गए थे। चीन पर आरोप है कि उसने अपने यहां वायरस फैलने और इसके घातक होने की जानकारी दुनिया को देर से दी।

कितना खतरनाक है अमेरिका का एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन जिसे खरीदने जा रही भारतीय नौसेना

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना हिंद महासागर में चीन और पाकिस्तान से खतरे के बीच एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन की 30 यूनिट खरीदने का मन बना रही है। घातक मिसाइलों से लैस ये ड्रोन लंबे समय तक समुद्र में निगरानी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, जरुरत पड़ने पर इसमें लगी मिसाइलें दुश्मनों के जहाजों या ठिकानों को निशाना भी बना सकती हैं। इस ड्रोन को प्रीडेटर सी एवेंजर या आरक्यू-1 के नाम से भी जाना जाता है। प्रीडेटर सी एवेंजर में टबोफैन इंजिन और स्टील्थ एयरक्राफ्ट के तमाम फीचर हैं। ये अपने टॉरगेट पर सटीक निशाना लगाता है। अमेरिका के प्रीडेटर ड्रोन फाइटर जेट की रफ्तार से उड़ते हैं।

इन ड्रोन्स के मिलने के बाद भारत न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि चीन पर भी आसानी से नजर रख सकेगा। सर्विलांस सिस्टम के मामले में भारत इन दोनों देशों से काफी आगे निकल जाएगा। नया प्रीडेटर अपने बेस से उड़ान भरने के बाद 1800 मील (2,900 किलोमीटर) उड़ सकता है। मतलब अगर उसे मध्य भारत के किसी एयरबेस से ऑपरेट किया जाए तो वह जम्मू-कश्मीर में चीन और पाकिस्तान की सीमा तक निगहबानी कर सकता है। यह ड्रोन 50 हजार फीट की ऊंचाई पर 35 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है। इसके अलावा यह ड्रोन 6500 पाउंड का पेलोड लेकर उड़ सकता है। इस ड्रोन को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स ने बनाया है। इस ड्रोन में 115 हॉर्सपावर की ताकत प्रदान करने वाला टबोर्फैन इंजन लगा हुआ है।

8.22 मीटर लंबे और 2.1 मीटर ऊंचे इस ड्रोन के पंखों की चौड़ाई 16.8 मीटर है। 100 गैलन तक की फ्यूल कैपिसिटी होने के कारण इस ड्रोन का फ्लाइट इंड्यूरेंस भी काफी ज्यादा है। यह ड्रोन 204 किलोग्राम की मिसाइलों को लेकर उड़ान भर सकता है। 25000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने के कारण दुश्मन इस ड्रोन को आसानी से पकड़ नहीं पाते हैं। इसमें दो लेजर गाइडेड एजीएम-114 हेलफायर मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। इसे ऑपरेट करने के लिए दो लोगों की जरूरत होती है, जिसमें से एक पायलट और दूसरा सेंसर ऑपरेटर होता है। अमेरिका के पास यह ड्रोन 150 की संख्या में उपलब्ध हैं।

अलकायदा के आतंकवादी अफगान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में छुपे

जेनेवा, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी संगठन अलकायदा के अधिकतर कट्टर आतंकवादी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में रह रहे हैं, इसमें संगठन का पूर्व सरगना आयमन अल जवाहिरी भी शामिल है।बताया जाता हैं कि जवाहिरी जिंदा हैं, लेकिन बेहद कमजोर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान से जुड़े अलकायदा के आतंकवादी और अन्य विदेशी चरमपंथी अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में रह रहे है। अलकायदा आतंकवादी आयमन मोहम्मद रबी अल-जवाहिरी के बारे में माना जा रहा कि वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में कहीं छिपा है। पूर्व में खराब स्वास्थ्य के कारण उसकी मौत की खबरें आई थीं लेकिन उसकी पुष्टि नहीं सकी थी। रिपोर्ट के मुताबिक जवाहिरी जिंदा है, लेकिन इतना कमजोर हो गया है कि उसके बारे में नहीं बताया जाता है।अलकायदा के नेतृत्व में मूल रूप से गैर अफगान लोग हैं और इसमें उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशियाई देशों के नागरिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सदस्य देशों का आकलन है कि अलकायदा और तालिबान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वर्तमान में औपचारिक वार्ता नहीं हो रही। वहीं, एक सदस्य देश ने कहा है कि शांति प्रक्रिया को लेकर तालिबान और अलकायदा के बीच लगातार संवाद हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा तालिबान की सरपरस्ती में अफगानिस्तान के कंधार, हेलमंद और निमरूज प्रांतों में सक्रिय है। इस समूह में अफगान और पाकिस्तानी नागरिकों के अलावा बांग्लादेश, भारत और म्यांमा के भी आतंकी है। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा का वर्तमान नेता ओसामा महमूद है और उसने असीम उमर की जगह ली है।

गाजापट्टी में इजराइल के हमले से ध्वस्त हुई इमारतों और निर्माणों को फिर से व्यवस्थित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कोरोना के लिए डॉ. फाउची ने लिया चीन का पक्ष, भड़के डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के शीर्ष सलाहकार डॉ एंथनी फाउची की पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी कम ही बनी। ईमेल के मसले पर फिर ट्रंप की पार्टी के सांसदों ने डॉ फाउची को घेरना शुरू कर दिया है। अमेरिका में कंजर्वेटिव न्यूज चैनलों ने डॉ फाउची को झूठा बताना शुरू कर दिया है और डॉ फाउची पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने वुहान लैब से कोरोना वायरस लीक होने के मामले में चीन का बचाव किया। रिपब्लिकन नेताओं ने इस मामले में जांच की मांग की है।

असल में, अप्रैल 2020 में स्वास्थ्य मामलों से जुड़ी एक संस्था के अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से वैज्ञानिक आधार पर लैब-लीक थ्योरी को खारिज करने को लेकर ईमेल भेजकर डॉ फाउची का आभार जताया था। इस पर डॉ फाउची ने भी शुक्रिया कहा था। ईको-हेल्थ अलायंस के प्रमुख पीटर डैसजैक ने पिछले साल अप्रैल में डॉ फाउची को ईमेल भेजा था। इसमें उन्होंने लैब-लीक थ्योरी को नकारने के लिए डॉ एंथनी फाउची की सराहना करते हुए उन्हे साहसी बताया है। इसके जवाब में फाउची ने लिखा शुक्रिया लिखा। यह ईमेल सामने आने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के सलाहकार डॉ फाउची पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी ईमेल को लेकर उनसे सवाल किया जा रहा है कि क्या डॉ फाउची ने तब चीन का समर्थन किया था, जब वुहान की एक लैब से करोना वायरस के लीक होने की आशंका को वो खारिज कर रहा था। द वॉशिंगटन पोस्ट, बजफीड न्यूज और सीएनएन ने फ्रीडम ऑफ इन्फॉर्मेशन एक्ट के तहत जनवरी से जून 2000 के बीच डॉ फाउची के हजारों निजी ईमेल हासिल किए हैं। ये मेल कोरोना वायरस को लेकर हुई उनकी बातचीत के बताए जा रहे हैं। इनमें एक मेल में लैब से वायरस के लीक होने की बात से इनकार किया गया है। उस समय इसमें साइंस संबंधी कई चचाएं थीं। लेकिन ट्रंप सहित कई रिपब्लिकन ईमेल में वायरस की बात छिपाने का आरोप लगा रहे हैं।

सत्येंद्र जैन ने दीपचंद के परिवार को 1 करोड़ की सहायता राशि का चैक सौंपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कर्तव्य निभाते हुए कोविड-19 से जान गंवाने वाले दीपचंद के परिवार को 1 करोड़ रुपये का चैक सौंपा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय दीपचंद ऐसे कोरोना योद्धा थे जिन्होंने दूसरों की जान बचाते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है। दिवंगत दीप चंद कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे थे। हम उनके बलिदान के ऋणी हैं। दिल्ली सरकार कोरोना से लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले फ्रंटलाइन कार्यकताओं के परिवारों को लगातार वित्तीय सहायता दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को स्वर्गीय दीप चंद के परिवार से मुलाकात की। सत्येंद्र जैन ने परिवार से मुलाकात कर अपनी शोक और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिल्ली सरकार की ओर से परिवार को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि भी भेंट की। दीप चंद कोविड वार्ड में कार्यरत थे। जहां पर अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्होंने कई लोगों की जान बचाई।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने ट्वीट कर कहा कि इस कठिन समय में हम परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय दीप चंद एक ऐसे कोरोना योद्धा थे, जिन्होंने दूसरों को बचाते हुए अपनी जान गंवाई है। इस कठिन समय में दिल्ली सरकार परिवार के साथ खड़ी है। सत्येंद्र जैन ने कहा कि स्वर्गीय दीप चंद कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे थे। दिल्ली सरकार द्वारा परिवार को 1 करोड़ का चैक दिया गया है। हम उनके बलिदान के ऋणी हैं। वह एक ऐसे कोरोना योद्धा थे जिन्होंने दूसरों की जान बचाते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

दिल्ली सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है। दीप चंद केवल 48 वर्ष के थे जब वे कोविड-19 के कारण इस दुनिया से चले गए। दीप चंद के परिवार में उनके माता-पिता के साथ-साथ पत्नी और दो बच्चे हैं। कोरोना संक्रमण होने का खतरा फ्रंटलाइन वर्कर्स को सबसे अधिक है क्योंकि वे कोरोना मरीजों के करीब रहते हैं। पिछले साल दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि वह उन सभी फ्रंटलाइन कार्यकताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी जिनकी मृत्यु ड्यूटी के दौरान कोविड से संक्रमित होने की वजह से हुई है। तब से अब तक कई फ्रंटलाइन वर्कर्स के परिवारों को दिल्ली सरकार द्वारा 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि दी जा चुकी है।

क्रेडिट कार्ड के जरिये ठगने वाले तीन शातिरों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने क्रेडिट कार्ड के जरिये की गई ठगी के मामले को समझाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान उत्तम नगर निवासी पवन लांबा, विशाल अरोड़ा और कराला निवासी सचिन कुमार के रूप में की गई है। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि चंद्रकांत नामक शख्स ने क्रेडिट कार्ड के जरिये ठगी का मामला दर्ज करवाया था। जिन खातों में रकम ट्रांसफर की गई थी, पुलिस ने उन सभी का आकलन किया और कोटक महिंद्रा बैंक के एक खाते से पुलिस को लीड मिली।

यह अकाउंट पवन लांबा का था। एसआइ अजीत सिंह, एएसआई सुरेंद्र और हेड कांस्टेबल रामवीर ने पवन लांबा के मोबाइल की सीडीआर और लोकेशन निकलवाई और आखिर में उसे उत्तम नगर से गिरफ्तार कर लिया। पवन ने बताया कि उसने 25 हजार में अपना अकाउंट शिब्बू नामक शख्स को किराए पर दिया है। उसे हर ट्रांजैक्शन के लिए कमीशन भी मिलता है।

पवन की निशानदेही पर पुलिस ने विशाल अरोड़ा को गिरफ्तार किया। विशाल कमीशन एजेंट के रूप में काम कर रहा था। उसने सचिन को इन अकाउंट्स की डिटेल्स और कागजात उपलब्ध करवाए थे। पुलिस ने सचिन को भी कराला के वर्धमान एनक्लेव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने बताया कि वे भोले भाले लोगों अपना शिकार बनाते थे।

ठक ठक गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार– हौजखास थाना पुलिस ने पुलिस पिकेट पर चेकिंग के दौरान इलाके में वांछित ठक ठक गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान विनोद कुमार के रूप में की गई है। आरोपित से चोरी की एक स्कूटी और एक चोरी का मोबाइल बरामद किया गया है। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि थाना पुलिस आईआईटी गेट रेडलाइट पर चेकिंग कर रही थी इस दौरान स्कूटी से एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया पुलिस ने आरोपित को चेकिंग के लिए रोका तो वह भागने लगा। टीम ने मौके से ही आरोपित को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपित दक्षिणी जिले के थाना क्षेत्रों में 9 मामलों में वांछित है। आरोपी से चोरी के स्कूटी और एक चोरी का मोबाइल बरामद किया गया है। आरोपित अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र से वांछित अपराधी घोषित है।

दिल्ली में अनाज बर्बाद मामले की हो उच्च स्तरीय जांच, भाजपा विधायक ने लिखा एलजी को पत्र

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली के कई स्कूलों में रखे गए अनाज खराब होने को भाजपा ने दिल्ली सरकार की लापरवाही बताया है। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर इसकी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गरीबों को अनाज वितरित नहीं किया गया। उन्होंने इसके पीछे घोटाले की आशंका जताई है।

उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से दिल्ली में आकर काम करने वाले कई लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है। पिछले वर्ष लाकडाउन के समय दिल्ली सरकार ने इन कामगारों को राशन देने की घोषणा की थी। इस योजना के अंतर्गत चार किलो गेहूं, एक किलो चावल के साथ दिल्ली सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की एक किट भी तैयार करवाई गई थी जिसमें तेल, दाल, मसाले, चीनी इत्यादि सामग्री थी।

दिल्ली सरकार ने बाजार भाव से अनाज व अन्य सामग्री की खरीद की थी। स्कूलों में अनाज का भंडारण किया गया था। इसे बांटने के लिए प्रत्येक विधायकों को 25 सौ कूपन दिए गए थे। विधायक हस्ताक्षर कर जरूरतमंदों को कूपन देते थे जिससे राशन मिल सके।

दिल्ली में औषधीय पौधों के मेगा वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत हुई : गोपाल राय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर औषधीय पौधों का मेगा प्लांटेशन ड्राइव शुरू कर रही है। दिल्ली सरकार की दिल्ली भर में 14 नर्सरी हैं और सोमवार से कोई भी व्यक्ति हमारी नर्सरी में जाकर मुफ्त में औषधीय पौधे ले सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार 26 जून से 11 जुलाई तक एक मेगा वृक्षारोपण अभियान/वन महोत्सव भी आयोजित करेगी और शहर भर में 33 लाख से अधिक पौधे लगाएंगी। इस मेगा प्लांटेशन ड्राइव में दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर, विधायक, गैर सरकारी संगठन और आरडब्ल्यूए शामिल होंगे। विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को पौधारोपण की विस्तृत योजना से अवगत कराया।

गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के खिलाफ जंग छेड़ी हुई है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे कि वृक्ष प्रत्यारोपण नीति लाना,एंटी डस्ट कम्पैन , इलेक्ट्रिक वाहन नीति,रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ, दिल्ली सरकार बायो डीकंपोजर का उपयोग करके पराली जलाने के समाधान के साथ आने वाली पहली राज्य सरकार है। उन्होंने कहा दिल्ली सहित उत्तर भारत के वायु प्रदूषण का कारण कई अन्य कारक हैं।

एनसीआर में लगभग 10 थर्मल पावर प्लांट हैं जो इस प्रदूषण के प्रमुख योगदानकताओं में से एक हैं। दिल्ली सरकार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा उठाए गए इन सभी कदमों के साथ-साथ दिल्ली में बेहतर वातावरण विकसित करने के लिए और कदम उठाने चाहिए। आज हमने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर औषधीय पौधों का मेगा वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। दिल्ली सरकार की शहर भर में 14 नर्सरी हैं और सोमवार से कोई भी व्यक्ति हमारी नर्सरी में जा सकता है और मुफ्त में औषधीय पौधे प्राप्त कर सकता है। हम एक ब्रोशर भी प्रकाशित किया हैं जिसमें इन औषधीय पौधों के बारे में सभी आवश्यक जानकारी है। दिल्ली सरकार की नर्सरी में जो औषधीय पौधे उपलब्ध हैं उसमें आंवला, अमरूद, अर्जुन, जामुन, नीम, तुलसी इत्यादि हैं।

दिल्ली में हमारी 14 नर्सरी हैं और दिल्ली के नागरिकों की आसानी के लिए, हमने इनमें से प्रत्येक नर्सरी के लिए एक समन्वयक नियुक्त किया है। हम इन समन्वयकों के फोन नंबर साझा कर रहे हैं। मैं दिल्ली के नागरिकों से अपील करूंगा कि नर्सरी में जाने से पहले इन लोगों से संपर्क करें। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार 26 जून से 11 जुलाई तक मेगा वृक्षारोपण अभियान/ वन महोत्सव भी आयोजित करेगी और हम शहर भर में 33 लाख से अधिक पौधे लगाएंगे। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान में दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री, अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा, सभी विधायक, गैर सरकारी संगठन और आरडब्ल्यूए भाग लेंगे। मेगा वृक्षारोपण अभियान को दिल्ली सरकार के कई अलग-अलग विभागों और एजेंसियों द्वारा पर्यावरण विभाग, डीडीए, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, बीएसईएस और अन्य के साथ चलाया जाएगा। 9 जून को हम इन सभी एजेंसियों के साथ वर्चुअल मीटिंग करेंगे और पूरी योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा किए गए अथक कार्यों से हमें दिल्ली के वायु प्रदूषण को 25% तक कम करने में मदद मिली है। मुझे विश्वास है कि दिल्ली के नागरिक इस बार भी मेगा प्लांटेशन ड्राइव को सफलतापूर्वक चला पाएंगे। आज मैं दिल्ली के नागरिकों से अपील करना चाहता हूं कि हर नागरिक एक पेड़ लगाए। यह हमारा जीवन है। इसलिए इस अभियान का नाम एक पौधा जिंदगी के नाम रखा गया है। मैं दिल्ली के सभी नागरिकों से भी अपील करूंगा कि जन्मदिन या वर्षगांठ के अवसर पर कृपया एक पौधा लगाएं। दिल्ली सरकार दिल्ली के नागरिकों के साथ मिलकर इस अभियान को एक जन आंदोलन के रूप में चलाएगी और इसे सफल बनाएगी।

ग्लोबल इंडिया फाउंडेशन लगातार पुलिसकर्मियों, सफाईकर्मियों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी में जब सभी तरह त्राहिमाम की स्थिति थी उस वक्त देश में ग्लोबल इंडिया फाउंडेशन ने जरूरतमन्दों की सहायता करने के लिए सामने आई। पिछले 4 सालों से लगातार जन सेवा का कार्य करने वाली ग्लोबल इंडिया फाउंडेशन की ओर से पिछले साल की तरह इस साल भी दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ सहित मेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मी और अन्य जरूरतमंद लोगों के बीच मास्क, सेनेटाइजर, शहद, जूस और अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। फॉउंडेशन के अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि इस महामारी में हमारे फ्रंटलाइन वारियर्स में जान हथेली पर रखकर जिस तरह से जन सेवा का कार्य किया है वह अपने आप में एक दृढ़ संकल्प और जज्बे को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में कार्य कर रहे सभी योद्धाओं का ग्लोबल इंडिया फाउंडेशन सम्मान करता है। यह फाउंडेशन गैर राजनीति और गैर धार्मिक संस्थान हैं जो शिक्षा, स्वस्थ्य, समाजकल्याण, सामुदायिक विकास, महिला सशक्तिकरण, सफाई एवं वातावरण आदि राष्ट्रीय मुद्दों के लिए कार्य करता है।

ग्लोबल इंडिया फाउंडेशन के 4 साल पूरे होने पर अध्यक्ष नवीन कुमार ने फाउंडेशन के नये पदाधिकारियों की जानकारी देते हुए बताया कि डी पी श्रीवास्तव, किशोर मन्याल और आशीष कौशिक सभी उपाध्यक्ष, मीना गुप्ता, संदीप ठाकुर और शिवम गुप्ता महामंत्री, गीता शर्मा, खुशी गुप्ता और सुधांशु अग्रवाल सचिव, ललित गोयल कोषाध्यक्ष और नील कमल गुप्ता एवं कुणाल गुप्ता प्रवक्ता होंगे।

खतरे में है मानव जाति, टीके की कमी से सभी परेशान : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना की दूसरी लहर में टीके की कमी पर केंद्र सरकार के खिलाफ तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मानव जाति कोरोना महामारी से खतरे में है। एक तरफ केंद्र सरकार कहती है कि महामारी से लड़ने का सबसे प्रभावशाली तरीका सभी नागरिकों का जल्द से जल्द टीकाकरण करना है, बावजूद इसके टीके की कमी से सभी परेशान हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति नजमी वजीरी की पीठ ने भारत में स्पुतनिक वी वैक्सीन का उत्पादन शुरू करने के लिए केंद्र सरकार को पेनासिया बायोटेक को ब्याज के साथ 14 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि जारी करने का निर्देश दिया है। यह राशि कंपनी द्वारा मध्यस्थ अवार्ड के रूप में मांगने संबंधी याचिका स्वीकार करते हुए दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कंपनी वैक्सीन के निर्माण के लिए सरकार से अनुमति प्राप्त करेगी। दिल्ली की पेनासिया बायोटेक रसियन डाइरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के सहयोग से कोरोना संक्रमण से स्पुतनिक वी. टीका बनाने का करार किया है। कंपनी स्पुतनिक वी. की 10 करोड़ खुराक बनाना चाहती है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति नजमी वजीरी की पीठ ने कहा कि मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा कंपनी के हक में दिए फैसले के अनुसार यह राशि दी जाएगी।

दिल्ली में केंद्र ने केजरीवाल सरकार की घर-घर राशन पहुंचाने की योजना पर लगाई रोक

नई दिल्ली । दिल्ली में केजरीवाल सरकार की घर-घर तक राशन पहुंचाने की योजना पर केंद्र सरकार ने रोक लगा दी है। यह योजना एक हफ्ते बाद ही लागू होनी थी। इस मामले में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। मिली जानकारी के अनुसार, केजरीवाल सरकार ने इस योजना के लिए केंद्र सरकार से अप्रूवल नहीं ली थी। इसी वजह से घर-घर तक राशन पहुंचाने की योजना पर पाबंदी लगा दी गई है। दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने 72 लाख लोगों के घर-घर तक राशन पहुंचाने की योजना बनाई थी। जिस पर अब विराम लग गया है।

इससे पहले इसी साल मार्च में केद्र सरकार की तरफ से इस योजना पर आपत्ति जताई गई थी। दरअसल इस योजना का नाम मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना रखा गया था। केद्र को इस नाम पर आपत्ति थी। केंद्र की तरफ से रोक लगाने के पीछे तर्क दिया गया था कि राशन वितरण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत किया जाता है। ऐसे में इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा सकता। 25 मार्च को केजरीवाल सरकार इसे लागू करना चाह रही थी लेकिन केंद्र की आपत्ति के कारण यह संभव नही हो पाया था। इसके बाद दिल्ली सरकार ने इस योजना का नाम बदलकर घर-घर राशन योजना रख दिया था।

आटा और चावल का पैकेट देने की थी योजना–घर-घर राशन योजना के तहत गेहूं के बदले आटा और चावल का पैकेट देने की योजना थी। चावल और चीनी के पैकेट पर इसके तैयार होने की तिथि व एक्सपायरी तिथि भी दी जाती, जिससे जनता को राशन के इस्तेमाल की सही जानकारी मिलती। दिल्ली सरकार की ओर से दावा किया गया था कि डोर स्टेप डिलीवरी ऑफ राशन शुरू होने के बाद लोगों को राशन की दुकान पर आने की जरूरत नहीं पड़ती। सरकार का कहना था कि अगर किसी उपभोक्ता को 25 किलो गेहूं और 10 किलो गेहूं और 10 किलो चावल की जरूरत होती, तो 25 किलो की पैकिंग में साफ-सुथरा गेहूं या आटा और 10 किलो चावल की एक बोरी बनाकर उसके घर पहुंचा दिया जाता।

दिल्ली में एक माह में 29 फीसदी कम हो गई संक्रमण दर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना अब बेदम होता जा रहा है। पिछले एक माह में ही संक्रमण दर 29 प्रतिशत कम हो गई है। अब एक हजार लोगों की जांच पर सिर्फ छह संक्रमित मिल रहे हैं, जबकि एक माह पहले तक 100 जांच पर ही 30 लोग पॉजिटिव मिल रहे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली की आबादी का एक बड़ा हिस्सा संक्रमित हो चुका है। इससे यहां वायरस का प्रसार थम गया है। अब बस जरूरी है कि लोग सभी सावधानियों का पालन करते रहें। दिल्ली एक अप्रैल से कोरोना के मामले बढ़ने लगे थे। 5 अप्रैल को संक्रमितों का आंकड़ा तीन हजार के पार पहुंच गया था। हर दिन दैनिक संक्रमित रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रहे थे। इसके साथ ही संक्रमण दर में भी इजाफा हो रहा था। 26 अप्रैल को संक्रमण दर 36 फीसदी के करीब पहुंच गई थी, जो तीन मई तक 30 प्रतिशत बनी हुई थी, लेकिन उसके बाद से स्थिति बदलने लगी। अब पिछले एक माह में ही संक्रमण दर 29 प्रतिशत कम हुई है। यह दर 30 फीसदी से घटकर अब 0.61 प्रतिशत हो गई। इसके साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीज भी दोगुना हो गए और अब रिकवरी दर 96 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है।अस्पतालों में भी 80 फीसदी से ज्यादा बेड खाली हो गए हैं। सक्रिय मरीज भी घटकर 9 हजार से कम रह गए हैं। दिल्ली में पिछले तीन दिनों से संक्रमण दर एक फीसदी से कम बनी हुई है। फिलहाल यह दर 0.61 फीसदी है। यानी, अब 1000 सैंपल की जांच पर महज 06 लोग ही संक्रमित मिल रहे हैं। एम्स के डॉक्टर विक्रम बताते हैं कि यह दर जितनी कम होती है, उतना अच्छा रहता है।

कोरोना से पेरेंट्स को खोने वाले छात्रों की फीस माफ कर सकती है दिल्ली यूनिवर्सिटी- सूत्र

नई दिल्ली । वो छात्र जो कोरोना के चलते अपने माँ बाप को खो चुके हैं उन्हें दिल्ली यूनिवर्सिटी फ़ीस में छूट दे सकती है. इस पर विचार चल रहा है. दिल्ली यूनिवर्सिटी के मुताबिक तमाम कालेजों से ऐसा डेटा माँगा गया है, इसके लिए तमाम कॉलेजों को एक हफ़्ते का समय दिया गया है. ये जानकारी न्यूज़18 को सूत्रों के हवाले से मिली है. इस बारे में खबर लिखे जाने तक दिल्ली यूनिवर्सिटी की ओर से कोई सूचना जारी नहीं की गई है.

इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय इस साल छात्रों को मेरिट के आधार पर प्रवेश देने जा रहा है. यह निर्णय सीबीएसई 12वीं की बोर्ड 2021 रद्द करने के बाद लिया गया. ष्ठ के दाखिला की प्रक्रिया 15 जुलाई के आस पास शुरू होगी, रजिस्ट्रेशन शुरू होने के 15 दिन या एक महीने के बाद दाख़िला की प्रक्रिया शुरू करेंगे. एडमिशन की प्रक्रिया पिछले सालक की तरह online होगी.

बढ़ती पेट्रोल और डीजल की कीमतों के खिलाफ दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस ने पेट्रोलियम मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। युवा कांग्रेस ने आज बढ़ते पेट्रोल डीजल की कीमतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सरकार की लचर नीतियों से त्रस्त आ चुकी जनता को सरकार लगातार झटके पर झटका दे रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में दुनिया की किसी भी सरकार ने अपनी जनता पर इतने अत्याचार नहीं किए होंगे, जितने मोदी सरकार कर रही है।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी कहा कि आपदा में अवसर ढूंढने वाली सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को आपदा में डाल दिया है। एक तरफ अर्थव्यवस्था चरमरा रही है दूसरी तरफ पेट्रोल डीजल की कीमतें आसमान छू रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जब विपक्ष में थी तो पेट्रोल डीजल की 5 की वृद्धि पर सड़को पर प्रदर्शन करती हुई दिखती थी पर आज जब चौतरफा महंगाई की मार है तो सब मौन है, आज युवा कांग्रेस ने उन्हें नींद से जगाने का प्रयास किया है, देश के कई हिस्सों में पेट्रोल 100 पार, डीजल 90 पार हो गया है, कीमतें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, शर्मनाक बात यह है की इस तरह की खुली लूट करने के बावजूद भाजपा सरकार इसका दोष भी कांग्रेस पर मढ़कर अपना पीछा छुड़ाना चाहती है। मोदी सरकार ने आम आदमी के बजट में ऐसी सेंध लगा दी है, जिससे वह जूझ पाने में असमर्थ है, यह मोदी सरकार की ही दया है कि पेट्रोल, डीजल के दामों में एक नया कीर्तिमान स्थापित हो रहा है।

राष्ट्रीय महासचिव और दिल्ली प्रभारी भईया पवार ने कहा कि किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं महंगाई से त्राहि त्राहि कर रहे है लेकीन आरएसएस और भाजपा पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है, आरएसएस और भाजपा का जनविरोधी और देश विरोधी चेहरा सामने आ गया है। राष्ट्रीय सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि देश के लोगो ने पीएम मोदी और उनके मंत्रियों को अच्छे दिन के वायदे पर चुना था, अब पीएम मोदी और उनकी सरकार लोगो का विश्वास तोड़ चुके है। राष्ट्रीय सचिव मोहित चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार को ना शर्म, ना लिहाज है, इनका तो लुटेरों का राज है।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि इस सरकार और इनके मंत्रियो को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नही है। महंगाई पहले से ही लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल डीजल की कीमतों में जो आग लगी हुई है, उससे महंगाई और बढ़ेगी, देश पर महंगी पड़ी मोदी सरकार। हम यह मांग करते है की बढ़ी हुई कीमतो को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए और एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी को वापस करके महंगाई और मंदी से जूझ रहे जनमानस को राहत दी जाए। भाजपा जब विपक्ष में थी तो मामूली वृद्धि पर गैस सिलेंडर को लेकर सड़क पर प्रदर्शन करती थी पर आज सभी भाजपा नेता मौन है, इस व्यहवार को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

दिल्ली में शराब की होम डिलीवरी चाहते हैं तो हो जाएं सावधान, वरना लग सकता है चूना; पुलिस ने किया अलर्ट

नई दिल्ली । लाकडाउन में ठेका और बार बंद रहने से शराब के शौकीनों को मायूसी हाथ लग रही है। लोगों की परेशानी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इसकी होम डिलीवरी सुविधा की घोषणा तो कर दी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए अभी किसी भी ठेका मालिक के पास लाइसेंस नहीं है। न ही आबकारी विभाग ने अभी तक कोई ऐसा अधिकृत एप ही बनाया है जिसपर लोग आवेदन कर सकें। ऐसे में शराब की होम डिलीवरी के नाम पर साइबर ठगी की आंशका बढ़ गई है। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने लोगों को सचेत किया है। साइबर सेल के डीसीपी अन्येष राय ने कहा कि जब भी इस तरह का अवसर आता है तब ठग सक्रिय हो जाते हैं। फर्जी एप बनाने में अधिकतम दो घंटे का वक्त लगता है।

इसके बाद वे उसपर मोबाइल फोन नंबर डालकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर देते हैं। विभिन्न वाट्सएप ग्रुप में भेजते हैं। कम जानकार लोग ऐसे फर्जी एप देख कर उसपर आवेदन कर देते हैं और वे ठगों के शिकार बन जाते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि जब सरकार इसके लिए अधिकृत एप जारी करें तभी उसपर आवदेन करें, जिसमें ठगी की संभावना न रहे। जानकारों का कहना है कि सरकार का अधिकृत एप आने में छह माह का समय लग सकता है।

अन्येष राय ने लोगों से अपील की है कि वे फर्जी एप पर आवेदन करने से बचे। अगर ठग आनलाइन पैसा स्थानांतरित करने को कहे तो पहले यह पता कर लें कि खाता कहां की है। आईएफसी कोड कहां का है। अगर वह दिल्ली का न हो तो पैसा न भेजे। इसकी शिकायत तुरंत दिल्ली पुलिस से करें।

दिल्ली पुलिस प्रवक्ता चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि शराब की होम डिलीवरी मामले में फिलहाल ठगी की शिकायत नहीं मिली है। इस स्थिति में लोग कोविड हेल्पलाइन नंबर 23469900 पर शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 अथवा जिले अथवा यूनिटों में भी उनके अधिकृत नंबरों पर शिकायत कर सकते हैं। जिसपर गंभीरता से जांच कर त्वरित कार्रवाई की जाती है।

कोविड में जब जरूरतमंदों को आपदा के असुरों ने शिकार बनाना शुरू किया तब पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने तुरंत कोविड हेल्पलाइन का गठन किया। उक्त हेल्पलाइन नंबर पर 700 लोगों ने शिकायत की। सभी शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की विभिन्न यूनिटों व जिला पुलिस ने बड़ी संख्या में ठगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई अभी जारी है। वैसे, जे गोपालकृष्णन नाम के व्यक्ति ने ट्वीट कर कहा है कि दिल्ली में तमाम दोस्त बीते दो- तीन दिनों से दौरान घरों में शराब की आपूर्ति करने वाले फर्जी एप के जरिए पैसे गवां चुके हैं।

संपादकीय

सच दिखाने का हक

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हर पत्रकार राजद्रोह के कानून के तहत सुरक्षा का हकदार है। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने पत्रकार विनोद दुआ के खिलाफ पिछले साल शिमला में दर्ज राजद्रोह का मामला खारिज करते हुए यह बात कही। विनोद दुआ के खिलाफ यह मामला हिमाचल प्रदेश में एक भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में पहले ही उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी थी और पिछले अक्तूबर में सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सन 1962 का केदारनाथ सिंह केस इस तरह के मामलों में नजीर माना जाता है और सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में भी इसी को आधार बनाया है। केदारनाथ सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून को वैध ठहराया था, लेकिन यह कहा था कि अगर कोई पत्रकार सिर्फ सरकार की आलोचना करे, तो इस आधार पर उसके ऊपर राजद्रोह नहीं कायम किया जा सकता। अगर वह हिंसा के लिए उकसाता है, तभी राजद्रोह का मामला बन सकता है। ऐसे स्पष्ट दिशा-निर्देशों के होते हुए भी पत्रकारों के खिलाफ राजद्रोह के मामले दर्ज होते रहते हैं। राज्य सरकारों की ओर से या उनके प्रोत्साहन से ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे ज्यादातर मामले अदालत में टिक नहीं पाते, लेकिन इनका उद्देश्य, जो कि पत्रकारों को डराना या प्रताड़ित करना है, पूरा हो जाता है। इस फैसले केदो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की एक और पीठ ने एक अन्य मामले में राजद्रोह कानून के दुरुपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इस कानून के दायरे पर फिर से सोचे जाने की जरूरत है। वह मामला आंध्र प्रदेश का था, जहां एक राजनेता और एक चैनल के दो पत्रकारों पर राजनेता का भाषण दिखाने के लिए राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने फिलहाल एफआईआर पर कार्रवाई रोकते हुए काफी तल्ख टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट केन्यायाधीश ने व्यंग्य में पूछा कि क्या गंगा नदी में उतराती लाशों की खबर करने वाले चैनलों पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है? जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश शायद इस बात से वाकिफ हैं कि राजद्रोह के कानून का दुरुपयोग पत्रकारों को अपना नियमित काम करने से रोकने और प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के सामने दो पत्रकारों किशोरचंद्र वांगखेम और कन्हैयालाल शुक्ल की याचिका मौजूद है, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के दौर के इस कानून को चुनौती दी है। अगर किसी को किसी पत्रकार से या किसी खबर से कोई शिकायत है, तो लोकतंत्र की परंपराओं केमुताबिक उस स्थिति में कार्रवाई करने के तरीके हैं, लेकिन इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बन गया है कि सरकारें या सत्ताधारी पार्टी के लोग सीधे राजद्रोह का मामला कायम कर देते हैं। इस कानून का इतिहास यही बताता है कि इसका दुरुपयोग ही ज्यादा होता आया है। अक्सर पत्रकारों या सामाजिक कार्यकर्ताओं या फिर शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें परेशान किया जाता है। ताजा मामले यह बता रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले की गंभीरता को समझ रहा है। अगर आला अदालत इस कानून की समीक्षा करकेइसके दुरुपयोग को रोकने की पहल करती है, तो यह हमारे लोकतंत्र केलिए बहुत बेहतर होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

राहुल की रणनीति

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दर्जनों नामचीन हस्तियों को अनफॉलो करके हलचल मचा दी है। अपने ट्विटर हैंड़ल पर उन्होंने बीते दो दिनों में जिन 63 से ज्यादा हस्तियों को अनफॉलो किया है, उनमें ज्यादातर वे हैं, जो केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के कट्टर विरोधी माने जाते हैं। कांग्रेस नेता की यह रणनीति राजनीतिक दिग्गजों को समझ नहीं आ रही है, लेकिन इससे राहुल गांधी का ट्विटर हैंड़ल संभाल रही ड़ॉ. प्रतिष्ठा सिंह एकाएक सुर्खियों में आ गई हैं। ड़ॉ. प्रतिष्ठा सिंह ने हाल में ही यह दायित्व संभाला है। उनसे पहले कांग्रेस की दिग्गज नेता मार्गरेट अल्वा के पुत्र निखिल अल्वा राहुल गांधी का सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म संभाल रहे थे। कहना न होगा कि कांग्रेस नेता अपने ट्विटर हैंड़ल पर केंद्र में आरूढ़ मोदी सरकार के खिलाफ ट्वीट करके उसे लगातार परेशान किए रहते हैं। सरकार के कामकाज पर उनकी टिप्पणी इतनी सटीक रही हैं कि भाजपा के प्रवक्ताओं को लगातार मोदी सरकार के बचाव की मुद्रा में रहना पड़ता है। राहुल ने सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म पर कई ऐसे ट्वीट भी किए हैं, जो भविष्यवाणी जैसे साबित हुए हैं। कुछ ट्वीट पर राहुल की सलाह को न चाहते हुए भी मोदी सरकार को मानना पड़ा है। राहुल की इस रणनीति को कोई समझ नहीं पा रहा है, लेकिन अनफॉलो किए गए लोगों में अधिकांश के भाजपा विरोधी होने के कारण लगता है कि जैसे राहुल संकेत देना चाह रहे हों कि वह महज सरकार विरोधी किसी 'मुहिम' का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि जो ट्वीट करते हैं, वह उनके मन से निकला उद्गार होता है। केवल विरोध करने के लिए विरोध नहीं होता, बल्कि विवेक की बात होती है। नुक्ताचीनी करने वालों की मुहिम में शामिल होने का अनायास या सायास प्रयास नहीं होता। कांग्रेस नेता ट्विटर पर पिछले कुछ महीनों में खासे सक्रिय रहे हैं। खासकर कोरोना महामारी से निपटने के मोदी सरकार के तरीकों को लेकर वे खासे खफा रहे हैं। भले ही कोई कुछ भी कहता रहे लेकिन राहुल ने परवाह न करते हुए सोशल मीड़िया पर अपनी सक्रियता को मद्धिम नहीं पड़ने दिया। पहले कुछ लोगों को लगा कि राहुल विरोध के लिए विरोध दर्ज कराते हैंग लेकिन सोशल मीड़िया पर अपनी सतत उपस्थिति से उन्होंने साबित किया कि विवेक की आवाज अकेले भले हो लेकिन नक्कारखाने में तूती करार नहीं दी जा सकती।

फिर टूटी परंपरा

जाने माने पत्रकार स्वप्न दासगुप्ता को राज्य सभा का सदस्य पुन: मनोनीत किया गया है। बता दें कि दासगुप्ता ने मार्च में राज्य सभा के अपने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा देकर प. बंगाल की तारकेश्वर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था जहां बतौर भाजपा प्रत्याशी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दासगुप्ता के पुन: मनोनयन के बाद अब उनका कार्यकाल अप्रैल, 2022 तक रहेगा। कांग्रेस की ओर से मनोनयन की सीधे तौर पर आलोचना तो नहीं की गई, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया, 'मुझे लगता है कि 1952 में राज्य सभा के अस्तित्व में आने के बाद पहली बार ऐसी चीज हो रही है।' दरअसल, दासगुप्ता के मार्च में भाजपा से जुड़ने और बंगाल से चुनाव लड़ने के फैसले पर भी विवाद भी हुआ था। तब तृणमूल कांग्रेस ने संविधान की 10वीं अनुसूची की धारा 102 (2) और 191 (2) के तहत अयोग्यता के नियम 3 का हवाला दिया था। इसमें कहा गया है कि किसी सदन का नामित सदस्य शपथ लेने के 6 महीने की अवधि की समाप्ति के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता हैग तो अयोग्य घोषित किया जाएगा। खैर, इस विवाद के बाद दासगुप्ता ने नामांकन से पहले इस्तीफा दे दिया था। यहां ध्यान देने वाली बात है कि दासगुप्ता के पुन: मनोनयन में कोई संवैधानिक अड़चन नहीं है। बात नैतिकता और मर्यादा की है, जिसका कोई लिखित उल्लेख नहीं होता। यह भाव होता है जिसके सम्मान की उम्मीद की जाती है। जाहिर तौर पर इस मामले में कोई आदर्श परंपरा स्थापित नहीं हुई है। बता दें कि राष्ट्रपति केंद्र के परामर्श पर राज्य सभा के लिए 12 सदस्यों को मनोनीत करते हैं। उच्च सदन में मनोनीत किए जाने वाले लोग साहित्य, विज्ञान, खेलकूद, कला व समाज सेवा जैसे क्षेत्रों की बड़ी हस्तियां होते हैं। उनसे अपने क्षेत्र विशेष के अनुभव के आधार पर गंभीर हस्तक्षेप की उम्मीद की जाती है। हालांकि बीते सालों में कई सदस्य उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। मनोनीत सदस्यों को दलनिरपेक्ष माना जाता हैग लेकिन यह अलिखित परंपरा भी गाहे-बगाहे टूटती रही है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में मणिशंकर अय्यर के मनोनयन पर भी विवाद हुआ था। समस्या यही है कि जिन चीजों का विपक्ष में रहते हुए राजनीतिक दल विरोध करते हैं, सत्ता पक्ष में परिवर्तित होते ही उन्हें अपना लेते हैं। कम से कम नामित होने वाली हस्तियों से तो उम्मीद की जानी चाहिए कि वो समझेंगे।

हमें जनगणना की जरूरत क्यों है

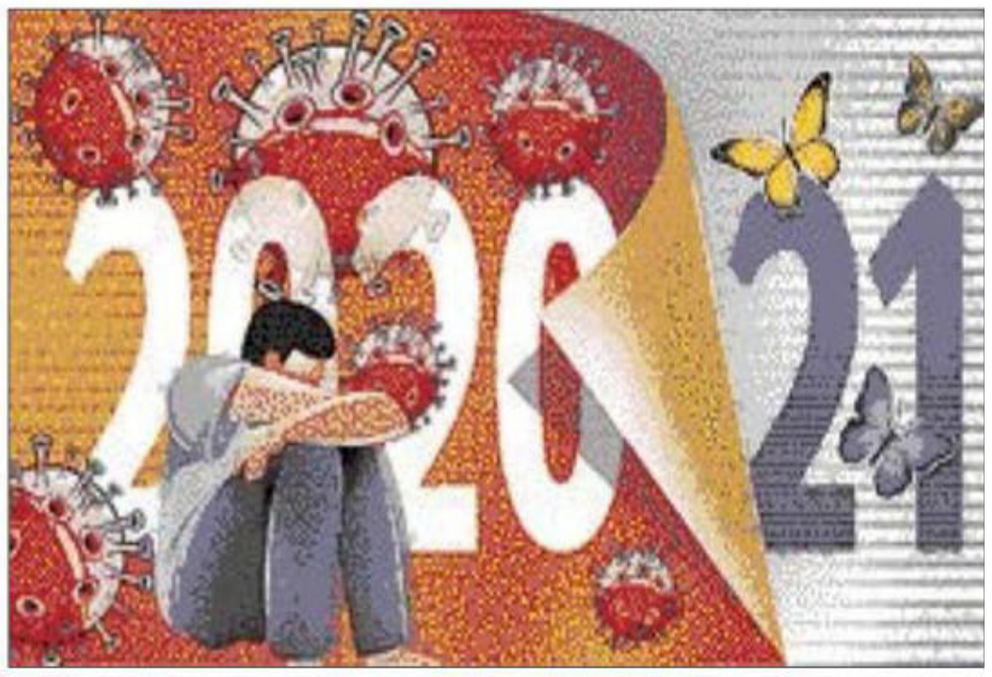

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) घटकर 'एक्स' फीसदी हो गया है; 18 से 44 आयु-वर्ग में जोखिम का खतरा 'वाई' फीसदी रहता है; उत्तर प्रदेश में 'जेड' लाख ग्रामीणों को अब तक बिजली की सुविधा नहीं मिल सकी है- इस तरह की सुर्खियां आप रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं। मगर क्या कभी आपने यह सोचा है कि भला कैसे कोई लेखक 'एक्स', 'वाई' या 'जेड' जैसे सटीक आंकड़े जान लेता है, जबकि इसके लिए संबंधित इलाके के हर व्यक्ति की गिनती भी नहीं की जाती? दरअसल, संबंधित इलाके, राज्य अथवा देश के कुछ लोगों से जानकारियां इकट्ठा करके यह आकलन किया जाता है, और आबादी के इस छोटे या सैंपल डाटा को दिखाने के लिए जिस बड़े आंकड़े को आधार बनाया जाता है, वह है देश की दशकीय जनगणना। 19वीं सदी के मध्य तक ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत पर करीब-करीब पूरा कब्जा कर लिया था। 1858 में, ब्रिटिश संसद में भारत सरकार अधिनियम, 1858 पारित किया गया, जिसके तहत भारतीय उपनिवेश का नियंत्रण कंपनी से लेकर ब्रिटिश राजशाही को सौंप दिया गया। मगर शासन स्थापित करने के लिए ब्रिटिश सरकार को लोगों और उनकी रिहाइश को लेकर विस्तृत और विश्वसनीय डाटा की जरूरत थी। आखिरकार, वह कैसे तय कर सकती थी कि उनकी महारानी ने भारत पर अपना प्रभुत्व कायम रखने के लिए जो अमानवीय टैक्स लगाया है, वह देश के हर निवासी से वसूला जाए?

औपनिवेशिक सत्ता को पता था कि क्या करना है। वह 1801 से ही इसे अपने यहां कर रही थी। इस कवायद को 'सेन्सस', यानी जनगणना कहा गया, जो लैटिन शब्द 'सेंसेर' से निकला है। रजिस्ट्रार जनरल ऐंड सेन्सस कमिश्नर के कार्यालय बनाए गए और 1881 में भारत में पहली बार जनगणना हुई। बेशक जनगणना का मूल उद्देश्य जबरन वसूली की मंशा को पूरा करना था, लेकिन इसका लाभ कई विभागों को मिला। शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षा की अपनी योजना बनाने में इसका इस्तेमाल किया। लोक-निर्माण विभाग ने इसका उपयोग सड़क नेटवर्क की योजना बनाने में किया। बिजली संयंत्र स्थापित करने और ग्रिड तक ट्रंक लाइन लगाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। और, रेलवे ने पटरियां बिछाने की योजना बनाने में इसका उपयोग किया। जनगणना के आंकड़ों ने जैसे ही बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया, लोगों की बड़े पैमाने पर आवाजाही बढ़ गई। बंबई, कलकत्ता और मद्रास जैसे बंदरगाह वाले शहरों का तेज विकास हुआ, क्योंकि रेल नेटवर्क से उन्हें निकट और सुदूर इलाकों से जोड़ा गया।

औपनिवेशिक राज की कई परंपराएं 1947 के बाद भी कायम रहीं। सौभाग्य से जनगणना भी उनमें से एक है। अमूमन पांच या दस साल पर होने वाली जनगणना को राष्ट्रीय संसाधनों के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य माना जाता है। अमेरिका दशक के अंत में जनगणना करता है, जो 2020 में कोविड-19 के बावजूद पूरा किया गया, तो चीन ने भी पिछले साल अपनी दशकीय जनगणना पूरी की है। भारत में पिछली बार 2010 में गिनती शुरू हुई थी, जो 2011 में पूरी हुई। अपने यहां इसका बुनियाद परिवार सर्वे है। मगर यह सर्वे पिछले साल जैसे मृतप्राय- रहा। अब तो हम 2021 के मध्य में आ चुके हैं, लेकिन जनगणना का अब तक कोई संकेत नहीं मिल रहा है। सवाल है, 2021 की जनगणना की परवाह आखिर हमें क्यों नहीं करनी चाहिए? पहली वजह, अब हम यह जानते हैं कि सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन का जितना ऑर्डर दिया, वह आबादी के घनत्व को ध्यान में रखकर नहीं दिया जा सका था। जनगणना से न सिर्फ हमें यह पता होता है कि देश में कितने लोग रहते हैं, बल्कि उनकी उम्र, लिंग, मूल निवास, परिवार और शिक्षा का स्तर भी हम जान लेते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना में ऐसे सभी विवरण मौजूद हैं, जनगणना होने पर 2021 में भी ये हमारे पास होते।

> साल के मध्य में हम आ चुके हैं, लेकिन जनगणना का कोई संकेत नहीं दिख रहा, जबकि ये आंकड़े कई मामलों में हमारे बहुत काम आते हैं।

दूसरा कारण, 2026 में अगली परिसीमन प्रक्रिया के खत्म होने पर लोकसभा में राजनीतिक संतुलन बदल जाएगा। यदि प्रतिनिधित्व का आधार जनसंख्या है, तो जिन राज्यों में जनसंख्या प्रबंधन की हालत खस्ता है (विशेष रूप से हिंदी पट्टी में), संसद में उनकी नुमाइंदगी काफी बढ़ जाएगी। दक्षिण व पश्चिम भारत को नुकसान होगा। जाहिर है, परिसीमन के लिए भी हमें जनगणना के तमाम पहलुओं पर गौर करना होगा। तीसरा, संघ और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे की वित्त आयोग निगरानी करता है। वस्तु एवं सेवा कर, यानी जीएसटी इस वितरण को और विवादास्पद बना देता है। राजस्व के निर्धारण में भी जनसंख्या अहम भूमिका निभाती है। चौथा, देश में सांप्रदायिक राजनीति जारी है। कई नेता यह आरोप लगाते हैं कि बहुसंख्यक आबादी घट रही है और अल्पसंख्यकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। जमीनी हकीकत जानने के लिए जनगणना एक अखिल भारतीय प्रक्रिया है। यह न सिर्फ हमें आबादी की संख्या बताती है, बल्कि जन्म व मृत्यु दर, प्रजनन दर, सकल और शुद्ध जन्म दर, नवजात मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर जैसे आंकड़े भी हमारे सामने रखती है। ध्रुवीकरण की राजनीति को जनगणना बेपरदा कर सकती है। पांच, आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की बात चल रही है। आखिर उन निवेशों का आधार क्या होगा? इससे जुड़े कई सवाल हैं, जैसे- अहमदाबाद से मुंबई के लिए बुलेट ट्रेन क्या एक अच्छी योजना है? किन रेल मार्गों को और मजबूत करने की दरकार है? सड़क, नदी, समुद्री और हवाई परिवहन के बुनियादी ढांचे को किस तरह से सुधारा जाना चाहिए? किसानों को अपनी उपज पर पर्याप्त फायदा कैसे मिलेगा? सबसे अच्छा मॉडल क्या है? जनगणना इन तमाम सवालों का उचित जवाब दे सकती है, जिससे योजनाकारों को यह पता चलेगा कि इन सबसे कौन लाभान्वित होगा, कितना होगा और किस कीमत पर होगा? और आखिरी कारण, सामाजिक जीवन में टीवी जिस तरह से शामिल है, उसे देखते हुए क्या हम यह कह सकते हैं कि बार्क रेटिंग चैनलों या टेलीविजन शो के देखने का असल पैटर्न बताती है? क्या 2021 में ग्रामीण दर्शक वाकई शहरी दर्शकों से ज्यादा हो जाएंगे? व्यूइंग पैनल द्वारा बार्क डाटा जमा करती है, और जनगणना के आधार पर रेटिंग तय करती है। जब जनसंख्या का आंकड़ा ही गलत है, तो रैंटग क्या सही हो सकती है?

बलिदान से उपजा देशभक्ति का अनूठा संकल्प

चंद महीनों के वैवाहिक जीवन के बाद ही पति की शहादत एक स्त्री के लिये किसी वज्रपात से कम नहीं होती। इस अथाह दुख से उबरने में वर्षों लग जाते हैं लेकिन पुलवामा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहादत देने वाले मेजर विभूति शंकर ढौंडियाल की पत्नी निकिता कौल ने छह माह बाद ही सेना में शामिल होने के लिये परीक्षा देने का संकल्प लेकर बता दिया कि आज भी भारत वीरांगनाओं की धरती है। इतने बड़े संकट के बाद ऐसा संकल्प लेकर वे आज हर भारतीय के लिये प्रेरणापुंज बनी हुई हैं। पिछले दिनों ऑफिसर्स ट्रेनिग एकेडमी, चेन्नई से पासआउट होकर निकिता कौल सेना में लेफ्टिनेंट बनी हैं। निकिता का यह कदम जहां पति की शहादत को गरिमा देता है, वहीं राष्ट्रभक्ति के उद्दात मूल्यों को भी दर्शाता है।

दरअसल, 18 फरवरी 2019 को विभूति शंकर जैश-ए-मोहम्मद के विदेशी आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए चार जवानों के साथ शहीद हो गये थे। इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादी भी मारे गये थे, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे बहुचर्चित पुलवामा हमले में शामिल थे। उनके बलिदान के लिये कृतज्ञ राष्ट्र ने उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया था। इस शहादत के छह माह बाद निकिता ने शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिये परीक्षा दी, इंटरव्यू पास किया। जून 2020 में उनकी ट्रेनिंग शुरू हुई और पति की शहादत के 27 माह बाद वे भारतीय सेना का हिस्सा बनीं। वे कहती हैं कि ग्यारह महीनों की ट्रेनिंग में मैंने जीवन के गहरे अनुभव हासिल किये। साथ ही इस कदम को उठाने में संबल देने वाले परिवार के प्रति भी उन्होंने कृतज्ञता जाहिर की। उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टीनेंट जनरल वाई. के. जोशी ने चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में निकिता कौल के कंधे पर स्टार लगाये।

निकिता के संकल्प को नमन है, जिसने सेना में शामिल होने के लिये अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी छोड़ी। उन्होंने यह कदम पति की स्मृतियों को जीवंत रखने के लिये उठाया। देहरादून में पति के अंतिम संस्कार के समय वह अडिग खड़ी नजर आई और सारी रस्में धैर्य व मजबूती से निभाईं। उनकी अश्रुपूरित विदाई के दौरान सैल्यूट करने का वीडियो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना था। तब उन्होंने कहा था, 'मुझे आप पर नाज है। सभी आप से प्रेम करते हैं, लेकिन आपने जिस तरह सबसे प्रेम किया, वह सबसे भिन्न है। आपने हमारे व उन लोगों के लिये बलिदान दिया, जिनसे आप कभी मिले भी नहीं हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि आप मेरे पति बने। मैं जीवन की अंतिम सांस तक आपसे प्रेम करूंगी। मेरा जीवन आप से है और हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

यह संयोग ही है कि मेजर विभूति शंकर ढौंडियाल भी ओटीए चेन्नई से प्रशिक्षित होकर निकले थे। इस पर निकिता कहना था- मैंने ट्रेनिंग के दौरान अनुभव किया कि मैं उन्हीं सभी पड़ावों व प्रशिक्षण से गुजरी हूं, जिनसे विभूति गुजरे थे। मुझे लगा कि वे हरदम मेरी जीवन यात्रा में साथ रहे। मैं आज भी उन्हें अपने आसपास महसूस कर रही हूं। जैसे वे कह रहे हों कि निकिता तुमने गहरे अहसासों को हकीकत बना दिया।'

निस्संदेह, निकिता का यह साहसी कदम जहां पति की वीरता को जीवंत रखने का संकल्प था, वहीं देशभक्ति की अनूठी मिसाल भी। सेना की वर्दी में पति के राष्ट्रभक्ति के अहसासों को हरदम महसूस करना भी था जो उद्दात प्रेम के अहसासों का पर्याय है। दृढ़ संकल्पों को हकीकत में बदलने का जज्बा भी है। जो बताता है कि मन के संकल्प से हम अपने दुखों को राष्ट्रभक्ति के गहरे अहसासों में बदल सकते हैं। यह निजी प्रेम को राष्ट्रीय प्रेम में महसूस करने का अनुपम उदाहरण भी है।

कभी जम्मू-कश्मीर की वादियों में जीवन की शुरुआत करने वाली निकिता के परिवार को कालांतर आतंकवादियों के खौफ में घाटी छोड़नी पड़ी। परिवार को फिर दिल्ली में नये सिरे से जीवन की शुरुआत करनी पड़ी। उस दौर में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को पलायन का दंश झेलना पड़ा था। उस भय व कष्ट ने ही उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। यही आत्मिक बल था, जिसने उन्हें पति की शहादत से उपजे संकट की घड़ी में मजबूती से खड़े रहने का आत्मबल दिया। नियति का क्रूर मजाक यह था कि जिस घाटी में आतंकवाद से बचकर उनका परिवार सुरक्षित निकल गया था, उसी घाटी में उन्हें जांबाज पति को देश के लिये खोना पड़ा।

निस्संदेह आज निकिता उन हजारों शहीदों की जीवन संगनियों के लिये प्रेरणा की मिसाल है, जो संकट के दबाव में अपना धैर्य खो देती हैं। अपने दर्द को सीने में दफन कर साहस व राष्ट्रभक्ति की जो अनूठी इबारत निकिता ने लिखी है, वह आने वाले वक्त में दुविधा के संकट से जूझती वीरांगनाओं का मार्गदर्शन करेगी। आज निकिता अपने शहीद पति के उन संकल्पों को पूरा करने को कटिबद्ध है, जिनके लिये उन्होंने सेना ज्वाइन की थी। वह चाहती तो अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी को जारी रखकर सामान्य जिंदगी जी सकती था। लेकिन उसने संघर्ष और उद्दात जीवन मूल्यों की राह चुनी। यही वजह है कि वे आज देश की लाखों बेटियों के लिये मार्गदर्शक मिसाल है कि संकट की घड़ी में जीवन के फैसले किस तरह लिये जाते हैं।

सतर्कता से ही बचेगी जान

सूचना जितनी तेज, उसका असर उतना ही ज्यादा। मीडिया शिक्षण संस्थानों में सूचनाओं के प्रवाह की गति को उसके असर के साथ अक्सर जोड़ा जाता है। इधर, सूचनाओं के प्रवाह की एक तकनीक 5जी से जुड़ी खबरें कुछ इसी तरह तेजी से फैली हैं। ताजा घटनाक्रम बॉलीवुड की अभिनेत्री जूही चावला के अदालत का दरवाजा खटखटाने से जुड़ा है। जूही अपने निवास के नजदीक एक इमारत में दसियों साल से मौजूद मोबाइल कंपनियों के एक दर्जन से ज्यादा नेटवर्क टॉवरों से होने वाले रेडिएशन को लेकर चिंतित हैं। उन्हें आशंका है कि देश में जिस 5जी मोबाइल तकनीक के ट्रायल शुरू हुए हैं, उनसे इन टॉवरों से होने वाला वह इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडिएशन (विद्युत चंबुकीय विकिरण) कई गुना बढ़ जाएगा जो 2जी से लेकर 4जी तक के तकनीक उन्नयन में पहले से ही खतरनाक स्तर पार कर चुका है। क्या रेडिएशन के दावे बेमानी हैं। जूही चावला की मांग भी इसी की जांच कराना है। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट से मांग की है कि सरकारी एजेंसियों से यह पता लगाने को कहें कि 5जी कहीं इंसानी सेहत के लिए सच में तो नुकसानदेह नहीं है।

तकनीक के रूप में देखें तो मोबाइल इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता हमें ऑतटफिशियल इंटेलीजेंस और 5जी सेलुलर नेटवर्क का हामी करार देती है। 2जी के मुकाबले 4जी का स्वाद चख चुके लोगों को 5जी की शरण में जाने से रोकना आसान नहीं होगा। बिना ड्राइवर की कारें चलानी हों, टेली सर्जरी और मनोरंजन के लिए तेज रफ्तार से फिल्मों की डाउनलोडिंग से लेकर ऑनलाइन पढ़ाई की गति बढ़ानी हो तो तेज गति वाला इंटरनेट अब 5जी के रूप में ही ज्यादा मददगार है। यही वजह है कि तेज तरक्की के ख्वाहिशमंद मुल्कों अमेरिका, यूरोप, दक्षिण कोरिया और चीन आदि में काफी अरसे से 5जी ट्रायल हो रहे हैं। इन परीक्षणों का आरंभ हमारे देश में भी हो चुका है लेकिन तकनीक के फायदे अपनी जगह हैं, उसे अभिशाप ठहराने वाली बातें अपनी जगह। आशंका है कि मोबाइल रेडिएशन की सीमित मार झेल रहे इंसानों की सेहत पर 5जी तकनीक आपदा बनकर टूटने वाली है।

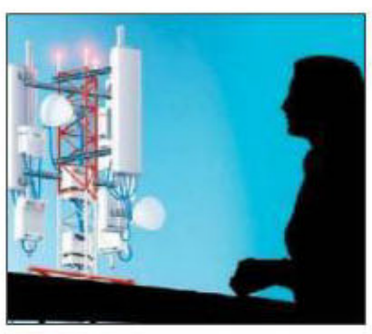

दुनिया में दर्जनों शोध हैं, जो मोबाइल फोन और इनके नेटवर्क के लिए आम तौर पर रिहाशयी इलाकों में इमारतों के ऊपर मौजूद टॉवरों से हानिकारक विकिरण फैलने का दावा करते हैं। 2011 में संचार एवं सूचना तकनीक मंत्रालय की एक हाई लेवल कमिटी ने शोध कर निष्कर्ष दिया था कि मोबाइल फोन और उसके टॉवर, दोनों ही सच में जीवधारियों के लिए समस्या हैं। जिस तरह माइक्रोवेव में पकाए जाने वाले भोजन में मौजूद पानी इसके विकिरण के असर से सूख जाता है, उसी तरह मोबाइल रेडिएशन खून की गुणवत्ता और दिमाग की कोशिकाओं को प्रभावित करता है। गौर करें कि अमूमन प्रत्येक मोबाइल टॉवर के दो-ढाई मील के दायरे तक में रेडिएशन फैला रहता है। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस (डॉट) भी इस रेडिएशन में 10 फीसदी कमी करने का सुझाव दे चुका है, बल्कि उसकी राय में इंसानी सेहत के नजरिए से इस विकिरण की सुरक्षित सीमा (लिमिट) इससे भी हजार गुना कम होनी चाहिए।

दुनियाभर में हुए शोधों के मुताबिक, मोबाइल टावरों से होने वाले रेडिएशन से खतरनाक बीमारियां हो सकती हैंग लेकिन सरकारें शायद निजी दूरसंचार कंपनियों के दबाव में रहती हैं। लिहाजा, ऐसी शिकायतों पर ज्यादा कान नहीं देतीं। दबाव तो शायद विश्व स्वास्थ्य संगठन पर भी रहता है। संगठन ने 2010 में एक रिपोर्ट में कहा था कि अब तक के शोध मोबाइल फोन से बीमारियों का लिंक साबित नहीं कर पाए हैं। हालांकि यह टिप्पणी मोबाइल फोन पर थी, न कि मोबाइल टॉवरों पर। लेकिन इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ने मोबाइल फोन से पैदा होने वाले आरएफ फील्ड्स को इंसानों में कैंसर पैदा करने वाले संभावित कारण के रूप में दर्ज किया था। बहरहाल, समस्या का समाधान यह है कि दूरसंचार कंपनियां ऐसे टॉवर लगाएं जो सीमित दायरे में बहुत कम रेडिएशन छोड़ते हों पर इसके लिए ग्राहकों की तेज इंटरनेट की मांग पूरा करने के लिए उन्हें ज्यादा संख्या में टॉवर लगाने होंगे। उनका मुनाफा कम होगा। सवाल है कि जिस मुल्क में सेहत सरकारों की ही ज्यादा प्राथमिकता में न हो, जहां सरकारें बड़ी कंपनियों के आगे नत-मस्तक रहती हों, वहां क्या ऐसी तब्दीली कड़े कानूनी प्रावधानों के जरिए लाई जा सकेगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

देवास : पार्टी मनाकर आ रहे युवक को मारी गोली, मौत

देवास। औद्योगिक थानांतर्गत ग्राम नगोरा रोड पर अतुल उर्फ अनुज को गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने तीन लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। बताया है कि अतुल उर्फ अनुज पिता राकेश वर्मा पीरकराड़िया,जिला इंदौर दोस्त लोकेश पटेल व अजय जो रिश्ते में भाई है, दोनों के साथ पार्टी मनाने के बाद बाइक से लौट रहे थे। इस बीच नगोरा रोड पर पार्वती गार्डन के पास बीच रोड पर आयशर खड़ी थी। वही शानू दो अन्य साथियों के साथ खड़ा था। तीनों का बाइक निकालने पर विवाद हुआ। जिसके बाद अतुल, लोकेश व अजय बाइक पर बैठकर निकले तो गोली चलने की आवाज आई। कुछ दूर जाने पर पीछे बैठा अतुल उर्फ अनुज गिर गया। उसको गोली लगी थी। पुलिस को सूचना दी। औद्योगिक थाना पुलिस ने शानू व दो अन्य साथियों पर हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

खरगोन : प्रौढ़ की हत्या के आरोप में बेटा-बहू गिरफ्तार

खरगोन। जिले के भीकन गांव थाना क्षेत्र में एक प्रौढ़ की हत्या के आरोप में उसके बेटा-बहू को गिरफ्तार किया है। एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि भायला सोलंकी 50 वर्ष बैडीपुरा बमनाला की हत्या के आरोप में शनिवार को उसका बेटा सुरेश व बहू सुनीता बाई को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेजा है। बताया कि मृतक की पत्नी बसंती बाई ने 2 जून को भीकनगांव थाने सूचना दी थी कि बेटा-बहू पति भायला की हत्या कर फरार हो गए हैं। बताया है कि सुरेश की सुनीता बाई से शादी के बाद बुरे व्यवहार पर सास-ससुर से अलग रहने पर विवाद था। कुछ दिन पूर्व सुरेश दूसरी जगह मकान निर्माण करने पर पिता के मना करने पर दोनों में पुनः विवाद हो गया था। इस पर और सुनीता बाई ने मिलकर भायला की लकड़ी से पिटाई की, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

छिंदवाड़ा : गोदाम से बड़ी मात्रा में पॉम आइल जब्त, केस दर्ज

छिंदवाड़ा। जिले में एक रेस्टारेंट के गोदाम पर की गई छापामार कार्रवाई करने पर गोदाम से दो हजार लीटर पॉम आइल जब्त किया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शनिवार को छिंदवाड़ा-नागपुर स्थित बोरगांव ग्राम के एक रेस्टारेंट की जांच में उपयोग में लाए जा रहे खाद्य तेल की जांच की गई, जो पॉम आइल था। जिसका खरीदी बिल रेस्टारेंट संचालक शुभम रणविदे प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच दल ने गोदाम में रखा पाम आइल जब्त किया तथा तेल का नमूना जांच के लिए भोपाल लेबोरेटरी भेजा है। गोदाम से बिना बिल का दो लाख दस हजार रुपए कीमती दो हजार लीटर पॉम आइल जब्त किया गया। बता दें कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम अब जिले भर में अपने इस अभियान को तेज कर इन सभी होटलों और रेस्टोरेंटों पर कड़ी कार्रवाई करेगी।

शहडोल : एक करोड़ के गबन की शिकायत पर बीईओ को हटाया

शहडोल। शहडोल में जिला कलेक्टर सतेन्द्र सिंह ने गबन के मामले में जैसिंघनगर के बीईओ अशोक शर्मा को उनके पद से हटाते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंसुकली में व्याख्याता के पद पर स्थानांतरित कर दिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जैसिंघनगर के बीइओ अशोक शर्मा ने 2 जून 2014 से 3 फरवरी 2020 के बीच नवीन खाता खोलकर एक करोड़ 1 लाख 72 हजार 176 का गबन किया था। इस मामले में आयुक्त जनजाति कार्य विभाग भोपाल के 19 मई 2021 के पत्र के निर्देश में कलेक्टर शहडोल को एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया गया था। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने उनका स्थानांतरण व्याख्याता के पद पर कर दिया है।

सिंगरौली : बंटवारे को लेकर बड़े भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

सिंगरौली। घरेलू कलह एवं संपत्ति बंटवारे को लेकर बीते गुरुवार को दो सगे भाइयों उमाशंकर सोनकर और जयशंकर सोनकर में हुए खूनी संघर्ष के बीच उमाशंकर की मौत हो गई। वहीं उसका बेटा गंभीर घायल हो गया जिसमें कोतवाली पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज करते हुए आरोपियों जयशंकर सोनकर पिता कुन्नू सोनकर व शिवशंकर सोनकर पिता कुन्नू लाल सोनकर और कुन्नू लाल सोनकर व स्वर्ण शिवनाथ सोनकर को गिरफ्तार करते हुए हत्या का अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक फरियादिया सुनीता सोनकर ने गुरुवार को घटना की शिकायत दर्ज कराते हुए मारपीट में गंभीर पति व पुत्र को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था, जहां पर उपचार के दौरान फरियादिया के पति उमाशंकर सोनकर कि मौत हो गई थी।

रायपुर : रायपुर पहुंची एक लाख 40 हजार 'कोविशील्ड' खेप

रायपुर। छग में18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश में कोविशील्ड वैक्सीन की बड़ी खेप रायपुर पहुंची है, जिसे सभी जिलों को आबंटित किया जा रहा है। इसके साथ ही रविवार से 18+ टीकाकरण अभियान शुरू हो जाएगा। राज्य के टीकाकरण अधिकारी डॉ.अमरसिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को 1 लाख 40 हज़ार कोविड शील्ड वैक्सीन 18 प्लस के लिए पहुंचा है। इसके साथ ही बंद पड़े वैक्सीनेशन अभियान को रविवार को फिर प्रारंभ कर दिया जाएगा। फिलहाल, सभी जिलों को जरुरत के मुताबिक वैक्सीन भेजा जा रहा है। अभी तक सात लाख युवाओं को ही वैक्सीन लगी है। एयरपोर्ट निदेशक राकेश सहाय ने बताया कि 12 बॉक्स में 384 केजी कोविशील्ड वैक्सीन आया है, जिसे स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है।

रीवा में दो करोड़ 25 लाख रु. का गांजा पकड़ा

अंतर्राज्यीय गिरोह के छह आरोपी गिरफ्तार, एक कार और कंटेनर जब्त

रीवा (एजेंसी)। जिले में पुलिस ने अंतर्राज्यीय तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 करोड़ 25 लाख रुपए का गांजा पकड़ा है। साथ ही पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कब्जे से एक कंटेनर ट्रक और एक बोलेरो भी जब्त की है।

पुलिस महानिरीक्षक उमेश जोगा के निर्देशन में गठित नार्कोटिक्स टीम एवं मुखबिरों से सूचना यह सूचना प्राप्त हुई कि उड़ीसा से एक गांजे की बड़ी खेप आ रही है। उक्त सूचना पर शुक्रवार की दरम्यानी रात गोविन्दगढ़ रोड पर अलग-अलग स्थानों पर पुलिस पार्टी लगाई गई। पुलिस की गाड़ी को देखकर अपनी स्पीड बढ़ा दी जिस पर उक्त वाहन को पुलिस टीम द्वारा रोका गया उसमें से दो व्यक्ति पकड़े गए। इसी दौरान एक कंटेनर आता हुआ दिखा। दोनों वाहनों की तलाशी ली गई जिससे कार की डिग्गी एवं बीच की सीट में रखा करीबन एक क्विंटल गांजा जब्त हुआ इसके अलावा कंटेनर में केविन के पीछे अलग पार्ट बनाकर वाहन की बाडी में परिवर्तन कर रखे हुए केबिन में करीबन 14 क्विंटल गांजा पाया गया। कुल 65 बोरियों में 750 पैकेट जिसमें प्रत्येक पैकेट का वजन 2 किलो था भूरे रंग टेप से पैक किए हुए पाए गए। जिसकी कुल कीमती 2 करोड़ 25 लाख रुपए है।

वाहन मालिकों को भी एनडीपीएस एक्ट का आरोपी बनाया गया

पुलिस महानिरीक्षक उमेश जोगा की नारकोटिक्स टीम की सूचना को सही पाते हुए कार्यवाही में बलेनो के वाहन मालिक का नाम प्रतीक सिंह उर्फ कल्लू पिता बीरभान सिंह नि . मऊ थाना सेमरिया तथा कण्टेनर के मालिक का नाम बब्बू उर्फ निशार पिता जुम्मा नि . कब्रिस्तान के पास जगतपुरी रूस्तम नगर साहसपुर मुरादाबाद उप्र का होना ज्ञात हुआ। उक्त दोनों वाहन मालिकों को भी एनडीपीएस एक्ट का आरोपी बनाया गया है। उक्त मामले में गिरफ्तार आरोपियों में अनंत पटेल (34), आनंद साकेत (35), वसीम खान (25), यूनुस खान (19), राजेश सिंह बघेल (42), विक्रम सिंह वैश (46) हैं जिनसे पूछताछ जारी है ।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण दर एक प्रतिशत से नीचे पहुंची

24 घंटे में 718 नए मरीज, 38 की मौत

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में शनिवार को सात सौ अठारह लोग कोरोना पॉजिटिव पाये गए। वहीं 38 लोगों की मौत हुई। वहीं प्रदेश में सक्रिय मामले घटकर 11,344 पहुंच गई है।

राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से शाम को जारी बुलेटिन के अनुसार 81,812 सैंपल की जांच में 718 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। वहीं 81,094 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव पाये गए तथा 204 सैंपल रिजेक्ट हुए और संक्रमण दर घटकर 0.8 प्रतिशत पहुंच गई। राज्य में मिले 718 नए मामले को मिलाकर कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,84,461 हो गई। राहत की खबर है कि इनमें से 7,64,822 लोग कोरोना को परास्त कर चुके हैं। राज्य में अब तक 8295 लोगों की जान ले ली है। वर्तमान में सक्रिय मामले अब 11,344 हो गए हैं। प्रदेश के इंदौर में 223 प्रकरण, भोपाल में 171, जबलपुर में 61 तथा सागर में 11 नए प्रकरण आए हैं। शेष जिलों में अशोकनगर, अलीराजपुर, आगरमालवा, भिंड और बुरहानपुर को छोड़कर 1 से 15 के बीच नए प्रकरण मिले हैं।

आइएमए और एमटीए का समर्थन मिलने से जूडा लंबी लड़ाई के मूड में

जूनियर डॉक्टर्स का समर्थन करना पड़ा महंगा, 46 सीनियर रेजिडेंट टर्मिनेट

ग्वालियर, (एजेंसी)। हाईकोर्ट की 24 घंटे की मोहलत के बावजूद जूनियर डॉक्टर्स ने अपनी हड़ताल वापस नहीं ली है बल्कि आइएमए और एमटीए का समर्थन मिलने से जूनियर डॉक्टर्स लंबी लड़ाई के मूड में दिखाई दे रहे हैं। उधर जूनियर डॉक्टर्स का समर्थन करना और उनके साथ हड़ताल पर चले जाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स को भारी पड़ गया। शासन के निर्देश पर ग्वालियर के 46 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स को टर्मिनेट कर दिया गया है।

जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल अभी जारी है, लेकिन ग्वालियर में इनकी हड़ताल को समर्थन देना जीआर मेडिकल कॉलेज के सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स को भारी पड़ गया। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्वालियर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने 46 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स को टर्मिनेट कर दिया है। मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ.समीर गुप्ता ने मीडिया को बताया कि सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स की अपनी कोई मांग नहीं थी फिर भी वे हड़ताल पर चले गए। हमने उन्हें समझाया भी कि समर्थन के और भी कई तरीके हैं लेकिन वे जिद पर अड़े रहे। इन सभी का टर्मिनेशन आर्डर तैयार हो गया है जल्दी ही नए सीनियर रेजिडेंट भर्ती किए जाएंगे। उधर स्टाइपेंड बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मांग के साथ छह सूत्रीय मांगों को लेकर 31 मई से हड़ताल पर गए जूनियर डॉक्टर्स अभी भी हड़ताल पर ही हैं। हालाँकि मप्र हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टर्स को 24 घंटे में काम पर लौटने का निर्देश दिया था। हालाँकि कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा था जूनियर डॉक्टर्स हड़ताल वापस लें और सरकार इनसे बात कर इस मामले को तुरंत निपटाए लेकिन हाईकोर्ट के निर्देश का भी जूनियर डॉक्टर्स पर कोई असर नहीं हुआ।

शनिवार को जूनियर डॉक्टर्स में मेडिकल कॉलेज में मध्यप्रदेश सरकार का प्रतीकात्मक स्वरूप बनाकर उसके सामने थाली बजे और पुष्पांजलि अर्पित की। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ग्वालियर के अध्यक्ष दे देवेंद्र शर्मा का कहना है कि आज तक शासन के किसी व्यक्ति ने हमसे बात नहीं की, हम तो उनका वादा ही उनको याद दिला रहे हैं। लेकिन शासन अपनी जिद पद अड़ा है कि पहले हड़ताल वापस लो फिर बात करेंगे जबकि हमारा कहना है कि आपने कौन सी मांगें मानी है पहले वो बता दो।

हेलीकॉप्टर से बरसाए गए फूल और कोरोना वॉरियर्स के सार्टिफिकेट लौटाए

शुक्रवार रात से ही सीनियर रेजीडेंट भी उनके समर्थन में उतर आए। इसका व्यापक असर जेएएच में स्वास्थ्य सेवाओं पर देखने को मिला है। मरीज परेशान होते नजर आए। इसके साथ ही शनिवार को जूडा ने विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इतना ही नहीं कोरोना की पहली लहर के बाद प्रदेश सरकार ने डॉक्टर को कोरोना वॉरियर्स घोषित कर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए थे और सार्टिफिकेट भी दिए थे। शनिवार को जूडा ने एकजुट होकर यह सम्मान लौटाया है। जो फूल उन पर बरसाए गए थे उनको लौटाया गया है। साथ ही सार्टिफिकेट भी सांकेतिक रूप से लौटाए गए हैं।

जूडा ने बांड की रकम जुटाने कटोरा लेकर मांगी भीख

जबलपुर। जूडा की हड़ताल का शनिवार को 6वां दिन था। इस्तीफा देने वाले जूनियर डॉक्टरों के ऊपर सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सरकार ने इन्हें बॉड के 30-30 लाख रुपए भरने के निर्देश दिये हैं। इसी कड़ी में जबलपुर में जूनियर डॉक्टर्स ने सरकार को जगाने को लेकर भीख मांगी है। अपनी मांगों को जूनियर डॉक्टरों ने जबलपुर में कटोरा लेकर लोगों से भीख मांगकर अनोखा प्रदर्शन किया। सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद बॉड की रकम जुटाने के लिए भीख मांगा। हड़ताल कर रहे जूडा ने कहा कि अपने अधिकारों के प्रति सरकार को जगाने के लिए भीख मांगा है। जनियर डॉक्टर्स का कहना है कि वे हड़ताल वापस लेने को तैयार है, लेकिन उनकी मांग पूरी की जाए।

अभाविप भी आया जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में

इंदौर। वैश्विक महामारी में देश कोरोनावायरस से युद्ध स्तर पर लड़ रहा है और समाज का हर वर्ग इस महामारी से पीड़ित है सभी डॉक्टर भी पिछले एक वर्ष से अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना से संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे समय में जूनियर डॉक्टर्स का अस्पतालों में ना होना समाज के लिए संकट उत्पन्न कर रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह मत है कि प्रदेश सरकार जूनियर डॉक्टर की उचित मांगों पर तत्काल प्रभाव से निर्णय ले। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत मंत्री घनश्याम सिंह चौहान, अभाविप के मैडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश में जिस प्रकार से जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल चल रहीं हैं वह चिंताजनक है। जूनियर डॉक्टर्स के स्टाइपेंड बढ़ोतरी एवं डॉक्टर्स की सुरक्षा जैसी जायज मांगों पर सरकार त्वरीतता से निर्णय ले। अभाविप प्रदेश सरकार से निवेदन करता है कि जूनियर डॉक्टर्स कि उचित मांगों को प्राथमिकता से संज्ञान में लेकर तत्काल प्रभाव से पूरी करें। साथ ही अभाविप आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों से भी अपील करता है की इस विषम परिस्थिति में आंदोलन का मार्ग छोड़ सातत्य पूर्ण संवाद का रास्ता अपनाए।

पूछताछ के लिए ले गई थी पुलिस, बेहोशी की हालत में घर वापस छोड़ा, इलाज के दौरान मौत

एसपी ने तीन जवानों को किया लाइन अटैच

रतलाम, (एजेंसी)। बड़ावदा थाना क्षेत्र के गाव ठिकरिया के एक व्यक्ति को पुलिस ने कच्ची शराब बेचने की शंका मे पूछताछ के लिए थाने ले गई। थाने ले जाने के एक घंटे बाद इस व्यक्ति को बेहोशी को हालत में तीन पुलिसकर्मी वापस उसके घर के बाहर छोड़ गए। जिसकी इलाज के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो गई। परिजनों द्वारा पुलिस प्रताड़ना ओर मारपीट का आरोप लगाया गया। व्यक्ति को घर से लाने और वापस छोड़ने वाले तीन पुलिस जवानों को एसपी ने निलंबित कर दिया है।

मामला बडावदा के ग्राम ठिकरिया का है। प्रेमसिंह पिता अर्जुनसिंह को शुक्रवार दोपहर को बडावदा पुलिस के दो जवान उसके घर से पूछताछ के लिए थाने ले गए थे। करीब एक घंटे बाद बडावदा थाने के तीन जवान दो मोटर सायकिल पर प्रेमसिंह को साथ लेकर आये और उसके घर के बाहर छोड़कर चले गए। घर परबस समय उसकी पत्नी और बच्चे ही थे प्रेमसिंह बेहोशी की हालत में था। पत्नी और रिश्तेदार प्रेमसिंह को लेकर बड़ावदा हॉस्पिटल पहुंचे।

जहां से उनको जावरा रेफर किया गया। परिजनों ने बड़ावदा पुलिस को सूचना देकर जावरा हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया। जहां से देर रात को उसे जिला चिकित्सालय रतलाम भेजा गया। यहां इलाज के दौरान उसकी देर रात को मौत हो गई। इसकी जानकारी लगते ही परिजनों में आक्रोश छा गया। उन्होंने पुलिस पर प्रताड़ना और मारपीट का आरोप लगाते हुए तीनों पुलिस जवानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना पर एसडीओपी भी बडावदा पहुंचे। मामले की जानकारी मिलने के बाद एसपी गौरव तिवारी ने तीनों पुलिस जवानों अरुण पोरवाल, दीपक मकवाना ओर गोविंद गेहलोत को लाइन अटैच कर दिया।

अधिवक्ताओं को न्यायालय परिसरों में लगेगी वेक्सीन

जबलपुर, (आरएनएन)। महाधिवक्ता पुरूषेन्द्र कौरव की पहल पर उच्च न्यायालय सहित प्रदेश के सभी जिला एवं सत्र न्यायालयों तथा अन्य न्यायालयों में अधिवक्ताओं तथा न्यायालयों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के लिये जल्दी ही उनके कार्य स्थल पर कोरोना वेक्सीनेशन सत्र लगाए जाएंगे।

वेक्सीनेशन सेंटर पर ही होगा रजिस्ट्रेशन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के संचालक टीकाकरण डॉ संतोष शुक्ला द्वारा सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं टीकाकरण अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि भारत सरकार की कोविड-19 टीकाकरण संबंधी गाइड लाईन के मुताबिक संबंधित न्यायालय के कार्यस्थल पर आयोजित वेक्सीनेशन सत्र में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों को आनसाईट रजिस्ट्रेशन कर कोरोना के टीके लगाना सुनिश्चित किया जाए।

ज्ञात हो कि हाईकोर्ट बार ऐसोसिएशन जबलपुर द्वारा अधिवक्ताओं एवं अधिवक्ताओं के स्टॉफमें कार्यरत कर्मचारियों को उनके कार्य के महत्व को देखते हुए कोरोना की वेक्सीन लगाने में प्राथमिकता देने शासन स्तर से पहल करने का अनुरोध महाधिवक्ता पुरूषेन्द्र कौरव से किया गया था। महाधिवक्ता श्री कौरव की पहल पर अब जल्दी ही न्यायालयों के कार्य स्थल पर वेक्सीनेशन सेशन लगाये जायेंगे और सेशन स्थल पर ही रजिस्ट्रेशन के बाद अधिवक्ताओं एवं उनके स्टॉफ में शामिल कर्मचारियों को कोरोना के टीके लगाए जाएंगे।

दुल्हन काली है,लेकिन गोरी लड़कियां तो भाग जाती हैं...

दुल्हन की मुंह दिखाई में चले लात-घूंसे, केस दर्ज

भिंड। बरासों थाना क्षेत्र के ग्राम कछपुरा की एक नई नवेली दुल्हन की शादी होकर आई तो मुंह दिखाने की रस्म निभाई जा रही थी। इसके लिए गांव की ही परिचित महिलाओं को घर बुलाया था। यहां दुल्हन के काले रंग को लेकर एक महिला रेखा ने टिप्पणी कर दी तो दूसरी ने कटाक्ष करते हुए कह दिया कि गोरी लड़कियां तो भाग जाती हैं। इससे पास ही खड़ी गोरे रंग की गांव की ही एक लड़की चिढ़ गई और वह आपत्ति जताने लगी। इसके बाद भागने वाली बात कहने वाली महिला और लड़की के परिवार वालों में जमकर मारपीट हुई लात-घूंसे चले। महिला ने लड़की को पेट में दांत से काट लिया, बाल खींचे गए। एफ आईआर दोनों पक्षों ने कराई। गांव की ही दूसरी महिला रेखा ने पड़ोस में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी पर कटाक्ष करते कहा कि गोरे रंग की लड़कियों के कई लड़कों से चक्कर चल रहे हैं। वे चाहे जब बॉयफ्रेंड के साथ भाग जाती है। उस समय किशोरी और रेखा में विवाद हो गया। विवाद के बाद किशोरी घर गई और मां को पूरी बात बताई। मां के कहने पर वह बहन के साथ रेखा के घर पहुंचकर उसकी सास से शिकायत कर दी। इससे नाराज रेखा ने किशोरी के साथ मारपीट की। महिला ने किशोरी को दांतों से काट लिया। इस दौरान किशोरी व उसकी बहन ने भी रेखा पर हमला कर दिया। दोनों पक्ष थाने पहुंचे। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली।

चैकिंग में एक्टिवा सवारों से मिले 30 लाख रुपए

इंदौर। शनिवार रात विजयनगर पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक एक्टीवा पर सवार दो युवकों रमेश पिता मंसाराम और हेमराज उर्फ दिलीप निवासी बाडमेर राजस्थान को रोककर जब तलाशी ली तो गाड़ी की डिक्की से 30 लाख रुपए मिले। पुलिस को आशंका है कि रुपए हवाले के हैं। पुलिस के अनुसार विजयनगर चौराहे पर चैकिंग पाइंट लगाया था।

लोगों से पूछताछ जारी थी। इसी दौरान रात करीब साढ़े आठ बजे एक्टीवा पर सवार दो युवक यहां से निकले। दोनों से निकलने का कारण पूछा तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। गाड़ी की तलाशी में डिक्की में पांच-पांच सौ और दो हजार के नोटों की गड्डियां रखी थी। फिलहाल दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

शिवराज सिंह ने सिरोंज पहुंचकर स्व. शर्मा को अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को सिरोंज पहुंचकर पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की है और शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्री चौहान ने स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के अनुज व सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस असहाय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। श्री चौहान पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की धर्मपत्नी और बच्चों से मिले और उनका ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल भी मौजूद रहे। उन्होंने भी स्व. शर्मा के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

अपराध देह व्यापार के लिए दलाल के माध्यम से दिल्ली से बुलवाई थीं छह लड़कियां

होटल मेपल्स ब्लू में पकड़ाया सेक्स रैकेट

देवास (एजेंसी)।

उज्जैन रोड पर बांगर में स्थित होटल मेपल्स ब्लू में पुलिस ने शुक्रवार की देर रात को छापा मारकर सेक्स रैकेट को पकड़ा। होटल से दलाल सहित 6 लड़के और 6 लड़कियों को पकड़ा है। इसके साथ ही 3 कारें भी पुलिस ने जब्त की हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उज्जैन रोड स्थित बांगर में मेपल्स ब्लू होटल में लंबे समय से सेक्स रैकेट चल रहा है। जिस पर महिला प्रकोष्ठ और पुलिस की टीम ने देर रात को मेपल्स ब्लू में छापा मारा।

पुलिस ने इस दोरान होटल से संचालक अशोक पिता रोजड़ीनाथ निवासी राजगढ, मैनेजर जयेश पिता रूपनारायण निवासी धार, सूरजभान पिता प्रेमपाल सिंह राजपूत निवासी दिल्ली, अमित पिता इंद्रदेव गुप्ता निवासी दिल्ली, राहुल पिता संतोष गुप्ता निवासी दिल्ली और विनोद पिता गोपाल राठौर निवासी इंदौर के साथ साधना, राधा, पायल, सोनिया, अनु और काजल को भी होटल से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने होटल से तीन कारें और आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की है। दो कारें दिल्ली पासिंग है वही एक इंदौर पासिंग है। पुलिस को सूरजभान ने पूछताछ में बताया कि दिल्ली से 6 लड़कियों को देवास देह व्यापार के लिए लेकर आया था। बताया है कि होटल संचालक अशोक ने दलाल सूरजभान के माध्यम से लड़कियों को दिल्ली से बुलाया था। बताया है कि होटल एक पुलिस अधिकारी की है एवं इसके तीन पार्टनर भी है। होटल को किराए पर अशोक को दे रखी है। जिसे पुलिस ने आरोपी बनाया है। जब से होटल शुरू हुआ है तब से चर्चाओं में रहा है। कभी जुआ तो कभी अवैध शराब। इस होटल में एक युवक की स्वीमिंग पूल में डूबने से मौत हो चुकी है।

नकली हीरे बेचने वाले गिरोह के आठ सदस्यों को पकड़ा

बैतूल। बैतूल जिला मुख्यालय के गंज थाना क्षेत्र में एक युवक से करीब पांच लाख रुपए की लूट की घटना हुई थी। पुलिस ने इसका खुलासा करते हुए असली हीरे के नाम पर नकली हीरे बेचने एवं लूट करने वाले गिरोह के आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी सिमाला प्रसाद ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि फरियादी प्रिंस सोनी निवासी छिंदवाड़ा ने गंज थाना में शिकायत की थी कि 31 मई को हमलापुर के पास अज्ञात आरोपियों ने कट्टा अड़ाकर ढाई लाख रुपए नगद एवं ढाई लाख रुपए कीमत के हीरे लूट लिए। जिस पर अज्ञात पर मामला दर्ज कर संदेही करण झारखंडे को पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी करण झारखंडे निवासी आमडोह थाना सांईखेड़ा, पिंटू नागले, शुभम गायकवाड़ एवं पंकज कड़वे, रितिक चन्द्रहास एवं रोहित मरकाम सभी निवासी बैतूल के अलावा दो नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से पांच असली हीरे, 250 कम गुणवत्ता के हीरे, दो देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, चांदी के जेवरात एवं 15 हजार रुपए नगद जब्त किए, जिनकी कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी है ।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों ने फरियादी को कम कीमत पर हीरे दिलाने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया और उसे पहली बार असली हीरे देकर विश्वास में लिया और दूसरी बार फरियादी को नकली हीरे देकर देशी कट्टा अड़ाकर असली हीरे एवं रुपए लूट कर फरार हो गए। एसपी ने बताया कि आरोपी नकली हीरों को दवाई वाले केप्सूल के अंदर भरकर इसका परिवहन करते थे ताकि मार्ग में पूछताछ के दौरान पकड़ा नहीं सके।

आपदा में भी मुनाफा कमाने का कृत्य कर रही पंजाब की कांग्रेस सरकार : मायावती

लखनऊ, (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने पंजाब सरकार द्वारा कथित तौर पर कोरोना संक्रमण रोधी टीकों को निजी अस्पतालों को बेचने की आलोचना कर इस अति-दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। मायावती ने ट्वीट किया, पंजाब की कांग्रेस सरकार द्वारा टीकों को केन्द्र से 400 रुपए में खरीद कर सरकारी अस्पतालों के द्वारा जनता को इसका लाभ देने के बजाय निजी अस्पतालों को 1,060 रुपए में बेचकर आपदा में भी मुनाफा कमाने का कृत्य अशोभनीय,अमानवीय,निंदनीय व अति-दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा,पंजाब सरकार की गलत हरकत का मीडिया द्वारा पदार्फाश करने के बाद स्पष्ट है कि टीके के संबंध में कांग्रेस नेतृत्व का अभी तक का जो भी रुख व बयानबाजी आदि रही है, उसमें गंभीरता कम व नाटकबाजी ज्यादा लगती है। केन्द्र सरकार इसका उचित संज्ञान ले, बीएसपी की यह मांग करती है।

बता दें कि शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब सरकार पर ऊंची कीमतों पर निजी अस्पतालों को कोविड-19 टीके की खुराक बेचने का आरोप लगाया था। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने आरोप लगाया कि राज्य में टीके की खुराक उपलब्ध नहीं हैं और आम लोगों को मुफ्त में टीके की खुराक देने के बदले उस निजी संस्थाओं को बेचा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कोवैक्सीन टीके की खुराक राज्य को 400 रुपये में मिलती है और उस निजी अस्पतालों को 1,060 रुपये में बेचा जा रहा है।

बीजेपी में आए मुकुल रॉय के बेटे ने ममता बनर्जी का किया शुक्रिया अदा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पिक्चर अभी बाकी है सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि राज्य विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़ बीजेपी में आए मुकुल रॉय के बेटे और बीजेपी नेता शुभ्रांशु रॉय ने अब ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा किया है और कहा है कि राजनीति में कुछ भी संभव है। दरअसल शुभ्रांशु रॉय की मां कृष्णा रॉय कोविड-19 से संक्रमित हैं और उनका इलाज कोलकाता के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इतना ही नहीं खुद मुकुल रॉय भी कोरोना से संक्रमित हैं और धीरे-धीरे वो इस संक्रमण से उबर रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी की युवा ईकाई के अध्यक्ष अभिषेक बनर्जी ने अस्पताल जाकर शुभ्रांशु रॉय की मां का हालचाल लिया था। जिसके बाद राजनीतिक विश्लेषक इस मुलाकात के कई मायने निकाल रहे थे। अब शुभ्रांशु रॉय ने ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा है कि वो जरुरत के वक्त उनके परिवार तक पहुंची थीं। शुभ्रांशु रॉय ने कहा है कि मैं आभारी हूं कि ममता बनर्जी ने विभिन्न तरीकों से मेरे पिताजी का हालचाल जाना। उनका परिवार जरुरत के समय हमारे साथ है। बांगला से बातचीत में शुभ्रांशु रॉय ने कहा कि पश्चिम बंगाल बंटवारे की सियासत को कबूल नहीं करता है। मैं समझता हूं कि राजनीति में कुछ भी संभव है। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि सीएम के भतीजे ने कोलकाता के अपोलो अस्पताल का दौरा किया, जहां कृष्णा रॉय का इलाज चल रहा है। अभिषेक मेरी मां की सेहत की जानकारी लगातार 2 हफ्तों से ले रहे हैं। एक विपक्षी पार्टी से होने के बावजूद वो मेरी मां को देखने के लिए आए थे, मैं उनका आभारी हूं। बता दें कि हाल के विधानसभा चुनावों में जहां मुकुल रॉय ने नदिया जिले की कृष्णानगर उत्तर सीट जीती थी तो वहीं उनके बेटे को उत्तर 24 परगना जिले की बीजपुर सीट से हार का सामना करना पड़ा था। मुकुल रॉय के बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बनाया गया था।

शिमला। जगत प्रकाश नड्डा, सुरेश कश्यप, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर एवं अनुराग ठाकुर ने नम आंखों से नरेन्द्र बरागटा को दी श्रद्धांजलि।

शिमला। महामारी के दृष्टिगत लागू किए गए सभी प्रतिबन्धों को 14 जून, 2021 प्रातः 6 बजे तक जारी रखने का निर्णय लिया।

नागरिक घोषणापत्र को बनाने का उद्देश्य लोगों को सेवाएं समयबद्ध तरीके से प्रदान करना : तोमर

नई दिल्ली। 29 क्षेत्रों में सेवाओं की सुपुर्दगी हेतु एक आदर्श पंचायत नागरिक घोषणा पत्र/रूपरेखा, जिन्हें पंचायती राज मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआर डीपीआर) के सहयोग से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ यथा निरूपित कार्यों को केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण एवं पंचायती राजमंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से पंचायतों द्वारा अपनाए जाने एवं इनके अनुकूल कार्य करने के लिए जारी किया गया। यह नागरिक घोषणा पत्र सेवाओं डिजाइनिंग एवं सुपुर्दगी करते हुए स्थाई विकास हेतु सार्वजनिक सेवाओं की पारदर्शी एवं प्रभावी सुपुर्दगी सुनिश्चित करेगा और विभिन्न मतों को सम्मिलित करके नागरिक सेवा अनुभवों, गहरे समावेशी एवं स्थानीय सरकारों की जवाबदेही को बढ़ाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पंचायतों को लोगों के दैनिक जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गए हैं, जमीनी स्तर पर कोविड-19 की अप्रत्याशित महामारी की रोकथाम एवं प्रबंधन में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। नागरिक घोषणापत्र को बनाने का उद्देश्य लोगों को सेवाएं समयबद्ध तरीके से प्रदान करना, उनकी शिकायतों का निपटान करना और उनके जीवन में सुधार लाना है। यह घोषणापत्र जहां एक ओर नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करेगा और दूसरी और पंचायतों एवं उनके चुने हुए प्रतिनिधियों को लोगों के प्रति सीधे जवाबदेह बनाएगा। यह आशा की जाती है कि पंचायतें इस फ्रेमवर्क का उपयोग नागरिक घोषणा पत्र बनाने में करेंगी और दिनांक 15 अगस्त, 2021 तक इसे ग्राम सभा के संकल्प के माध्यम से अंगिकार करेगी। राज्यों से तद्नुसार समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया गया। सचिव, पंचायती राज मंत्रालय ने कहा कि ग्राम पंचायत नागरिक घोषणापत्र का मूल उद्देश्य बिना किसी पक्षपात के और नागरिकों की आकांक्षाओं के अनुसार नागिरकों को सार्वजनिक सेवाओं के संबंध में सशक्त बनाना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह आशा है कि पंचायतें इस रूपरेखा का उपयोग करते हुए और ग्राम सभा के यथोचित अनुमोदन से एक नागरिक घोषणापत्र बनाएंगी जिसमें पंचायत द्वारा नागिरकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विभिन्न श्रेणियों, ऐसी सेवाओं के लिए शर्तों और ऐसी सेवाओं की समय-सीमा का विस्तृत ब्यौरा होगा।

डीएआरपीजी को कोविड-19 पोर्टल पर 28005 शिकायतें मिली 19694 का निपटारा हुआ

नई दिल्ली। लोकनायक भवन में कल सरकारी अधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों और पेंशनभोगियों के लिए विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसकी घोषणा केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्रालय, राज्यमंत्री, डॉ.जितेंद्र सिंह ने की। उन्होंने 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के पात्र सदस्यों से पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में टीकाकरण कराने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात के भी संकेत दिए कि आने वाले हफ्तों में इस तरह के और भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। डॉ.जितेंद्र सिंह ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में शिकायत निवारण की प्रगति की भी समीक्षा की और शिकायत निवारण की गुणवत्ता पर संतोष प्रकट किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर के ज्यादा खतरनाक होने के बावजूद, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) ने शिकायतों का शीघ्र निवारण करके चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। कोविड-19 की पहली लहर के दौरान कई पहलें शुरू की गई थीं जैसे कि कोविड-19 डैशबोर्ड, फीडबैक कॉल सेंटर और केंद्रीय लोक शिकायत निवारण और मॉनिटरिंग प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के साथ राज्यों के पोर्टल का एकीकरण करना, जो दूसरी लहर में चुनौतियों का सामना करने में बहुत उपयोगी साबित हुईं। डीएआरपीजी ने शिकायतों का समय से निपटान सुनिश्चित करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार और केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों से बातचीत की।

प्रयागराज, कौशांबी व बहराइच के जिलाधिकारी सहित 8 आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में शनिवार को प्रयागराज, कौशांबी और बहराइच के जिलाधिकारी बदलने के साथ ही आठ आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। प्रयागराज के जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी को हटाकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के पद पर तैनाती दी है। उनकी जगह पर संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम व विशेष सचिव नगर विकास संजय खत्री प्रयागराज के नए जिलाधिकारी होंगे। कौशांबी के जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह को हटाकर संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम व विशेष सचिव नगर विकास बनाया है। उनकी जगह पर ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सीईओ सुजीत कुमार कौशांबी के नए जिलाधिकारी होंगे। बहराइच के जिला अधिकारी शंभू कुमार को हटाकर माध्यमिक शिक्षा विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। जबकि विशेष सचिव संस्कृति दिनेश चंद्रा को बहराइच का जिलाधिकारी बनाया गया है। लखनऊ के मुख्य विकास अधिकारी प्रभास कुमार को प्रतापगढ़ का मुख्य विकास अधिकारी बना दिया गया है। प्रतापगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी पांडे लखनऊ के मुख्य विकास अधिकारी बनाए गए हैं। इसके पहले, बृहस्पतिवार देर रात 18 आईएएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल किया। इनमें छह जिलों गाजियाबाद, एटा, अमरोहा, मुरादाबाद, लखीमपुर खीरी व बिजनौर में नए डीएम तथा गोरखपुर व झांसी मंडलों में नए मंडलायुक्तों की तैनाती की गई थी। शासन स्तर पर कई विभागों के चर्चित अधिकारियों की तैनाती में भी फेरबदल किया गया। असम-मेघालय काडर के आईएएस अधिकारी जयंत नार्लिकर गोरखपुर के मंडलायुक्त थे। उनकी अंतर्राज्यीय प्रतिनियुक्ति बृहस्पतिवार को पूरी हो रही थी। शासन ने नार्लिकर को कार्यमुक्त करते हुए महानिदेशक पर्यटन रवि कुमार एनजी. को गोरखपुर का नया मंडलायुक्त बना दिया। रवि गोरखपुर के डीएम रह चुके थे। सबसे चौंकाने वाली तैनाती अपर मुख्य सचिव उद्यान मनोज कुमार को दी गई। पिछले साढ़े चार साल से साइड के विभागों की पोस्टिंग पा रहे मनोज वन जैसा अहम महकमा पाने में सफल रहे। अल्पसंख्यक व समाज कल्याण महकमे में कार्मिकों से विवाद की से लंबे समय तक चर्चा में रहे बीएल मीणा को दोनों विभागों की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान देश में 646 डॉक्टरों की मौत : आईएमए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना की दूसरी लहर में 646 लोगों की जान गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा सबसे ज्यादा 109 डॉक्टरों ने दिल्ली में दम तोड़ा। बिहार में 97 वहीं उत्तर प्रदेश में 79 डॉक्टरों की मौत हो गई। इसके बाद राजस्थान में 43, झारखंड में 39, गुजरात में 37, आंध्र प्रदेश में 35, तेलंगाना 34, तमिलनाडु में 32, पश्चिम बंगाल में 30, महाराष्ट्र और ओडिशा में 23 मध्य प्रदेश में 16 डॉक्टरों की जान गई। आईएमए के अनुसार इस महामारी की पहली लहर के दौरान 748 डॉक्टरों की जान चली गयी थी।

भारत में कोरोना के बढ़ रहे मामलों में अब कमी आती दिख रही है। देश में शनिवार को करीब दो महीनों में कोविड-19 के एक दिन में सबसे कम 1,20,529 नए मामले आए और इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले 2,86,94,879 पर पहुंच गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस संक्रामक रोग से 3,380 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की कुल संख्या 3,44,082 हो गयी है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार पांचवें दिन 20 लाख से कम रही। मंत्रालय ने बताया कि रोज आने वाले संक्रमण के नए मामले 58 दिनों में सबसे कम हैं। मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को कोविड-19 के लिए 20,84,421 नमूनों की जांच की गई जिससे देश में अभी तक की गई कुल जांच की संख्या 36,11,74,142 हो गयी है। संक्रमण की दैनिक दर गिरकर 5.78 प्रतिशत हो गयी है जो लगातार 12वें दिन 10 प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी कम होकर 6.89 प्रतिशत रह गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 15,55,248 रह गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 5.73 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 93.08 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या लगातार 23वें दिन संक्रमण के रोज आने वाले नए मामलों से अधिक है।

कांग्रेस में भारी फेरबदल की तैयारी

किशोर कुमार मालवीय

नई दिल्ली। मोदी सरकार और भाजपा की देश में घटती लोकप्रियता से उत्साहित कांग्रेस ने संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने पर काम शुरू कर दिया है। सोनिया गांधी और कांग्रेस के वफादार पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठकों का दौर जारी है। ये लगभग तय है कि राहुल गांधी फिर से पार्टी अध्यक्ष बनाए जाएंगे जिनकी टीम में वफादार युवा नेताओं को तरजीह दी जा सकती है। खासकर ऐसे नेताओं को जिनकी जनता में अच्छी छवि है और जो कुशल वक्ता भी हैं।

पांच राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव में पार्टी की खराब परफॉर्मेंस के बाद से ही ये मांग उठने लगी थी कि पार्टी में व्यापक फेरबदल करने की जरुरत है। स्थायी अध्यक्ष पद के चुनाव साथ साथ कुछ और पदों पर ऊजार्वान, अनुभवी और वफादार नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने की बात चल रही थी। लेकिन कोरोना संकट के कारण ये टल गया था। अब सहमति बन चुकी है क्योंकि इसी कोरोना संकट ने भाजपा का लोकप्रियता ग्राफ गिराया है और कांग्रेस इसका भरपूर फायदा उठाना चाहती है। ऊपर से उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के चुनाव सर पर हैं।

पार्टी में इस बात पर चर्चा हो रही है कि कोरोना से निपटने में सरकार की विफलता और उससे उपजे जन असंतोष को चुनाव तक कैसे जीवित रखा जाए। उत्तर प्रदेश में भले ही कांग्रेस को ज्यादा फायदा न मिले, कांग्रेस केन्द्रीय स्तर पर सबसे बड़ी और स्वभाविक विपक्षी पार्टी है। और इसका लाभ उसे 2024 के लोकसभा चुनाव में मिलने की उम्मीद है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कोरोना से निपटने में मोदी सरकार की कथित नाकामी ने भाजपा की स्थिति कमजोर कर दी है। उसे पहले जैसा समर्थन नहीं मिलने वाला। ऐसे में दिल्ली में कांग्रेस को ही सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी भी जानती है कि 2024 में उनके लिए बड़ी चुनौती कांग्रेस है इसलिए पार्टी सबसे ज्यादा कांग्रेस के प्रति ही हमलावर है। और कांग्रेस के लिए चुनौती है अपनी पार्टी और विपक्ष दोनो को एकजुट रखना।

कांग्रेस इस समय नेतृत्व की अस्थिरता से गुजर रही है। लम्बे समय से पार्टी अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में चल रही है। सेहत कारणों से सोनिया गांधी ज्यादा सक्रिय नहीं रह सकतीं हैं। वैसे भी, अध्यक्ष न रहते हुए भी पार्टी में सभी बड़े फैसले राहुल की मर्जी पर ही होते हैं। अब कोरोना काल में केन्द्र सरकार की छीछालेदर और भाजपा की घटती लोकप्रियता के बाद कांग्रेस को लगता है कि राहुल गांधी की ताजपोशी का वक्त आ गया है। कोरोना महामारी के दौरान कांग्रेस की भूमिका भी सराहनीय रही. खासकर भारतीय युवक कांग्रेस की। युवक कांग्रेस के उध्यक्ष श्रीनिवास के नेतृत्व में पार्टी ने कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए वह सब किया जो सरकार को करना था। सोशल मीडिया पर कोरोना पीड़ित मरीज और उनके परिजन सरकार के बजाय श्रीनिवास से ऑक्सीजन तथा जरुरी दवाईयां मांगते पाए गए और श्रीनिवास ने किसी को नाराज नहीं किया। बाजार में ऑक्सीजन और कोरोना की दवाईयों की जबरदस्त किल्लत से सरकार की छवि वैसे ही बिगड़ चुकी थी, कांग्रेस के काम ने आग में घी का काम किया। राहुल भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहे झ अपने कार्यकताओं को लोगों की मदद के लिए प्रोत्साहित करने और मोदी सरकार को घेरने में। यहां तक कि कई भाजपा नेताओं ने भी ऑक्सीजन के लिए कांग्रेस से मदद मांग कर अपनी पार्टी को ही शर्मसार किया।

कांग्रेस के युवा महासचिव और राहुल के वफादार राजीव साटव की कोरोना से मौत के बाद जो जगह खाली हुई है उस पर एक अच्छे नेता को लाने की बात चल रही है। सम्भव है कि यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास को वह जगह मिल जाए। वह काबिल भी हैं, सक्रिय भी और गांधी परिवार के वफादार भी। असली तलाश वफादार संकटमोचक रणनीतिकार की है जो अहमद पटेल की मृत्यु के बाद से खाली है। हो सकता है सलमान खुर्शीद को ये कुर्सी मिल जाए।

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 38 फीसदी वोट हासिल हुए थे जबकि कांग्रेस को 20 फीसदी। इस अंतर को भरना आसान काम नहीं है। अब कांग्रेस की रणनीति इसी बात पर निर्भर करेगी कि वह कितनी जल्दी अपने घर को ठीक कर लेती है। इसके लिए सबसे पहले और सबसे जरुरी नए अध्यक्ष के नेतृत्व में नई ऊजार्वान टीम का गठन जो पार्टी के मतों का प्रतिशत बढ़ा सके। पारटी के लिए मुश्किल ये है कि उसके पास अपनी उपलब्धि बताने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। उसे नकारात्मक वोट का फायदा उठाना पड़ेगा। पिछले चुनाव में कांग्रेस की सुई राफेल विमान सौदे पर अटक गई थी जिसे जनता का समर्थन नहीं मिला। लेकिन इस बार मोदी सरकार के खिलाफ बहुत कुछ है जिसे कांग्रेस अपने पक्ष में कर सकती है। कोरोना संकट के अलावा किसान आंदोलन से उपजी नाराजगी, महंगाई और बेरोजगारी आदि मुद्दे पहले से ही कांग्रेस के समर्थन में तैयार हैं। पार्टी के फेरबदल में अल्पसंख्यकों पर खास ध्यान रखा जाएगा क्योंकि हाल के विधानसभा चुनावों में उसे अल्पसंख्यकों का खास समर्थन नहीं मिला, खासकर बंगाल और केरल में। और फिर उत्तर प्रदेश विधानसभा को भी तो नजर में रखना है।

अलीगढ़। खेत खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना में 13 किसानों को मिले चैक।

दरभंगा एयरपोर्ट 5 जुलाई से उड़ान भरेंगे इंडिगो के विमान

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट चालू होने से दरभंगा सहित मिथिला के लोगों के लिए दूर की यात्रा सुगम हो गई है। एयरपोर्ट से अब तक केवल स्पाइसजेट के विमान ही उड़ान भर रहे थे लेकिन अब पांच जुलाई से इंडिगों की फ्लाइट्स भी टेकऑफ करती हुई दिखेंगी। इससे लोगों में उत्साह नजर आ रहा है। इंडिगो एयरलाइंस ने कोलकाता और हैदराबाद के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। बिहार सरकार में मंत्री और जेडीयू नेता संजय कुमार झा ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, बड़ी खुशखबरी, दरभंगा एयरपोर्ट से इंडिगों की उड़ान भी 5 जुलाई से शुरू होगी। कोलकाता और हैदराबाद के लिए बुकिंग शुरू। दरभंगा एयरपोर्ट से कई विमानन कंपनियों की सेवा शुरू होने पर नए शहरों से मिथिला को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से किराए में भी कमी आएगी।

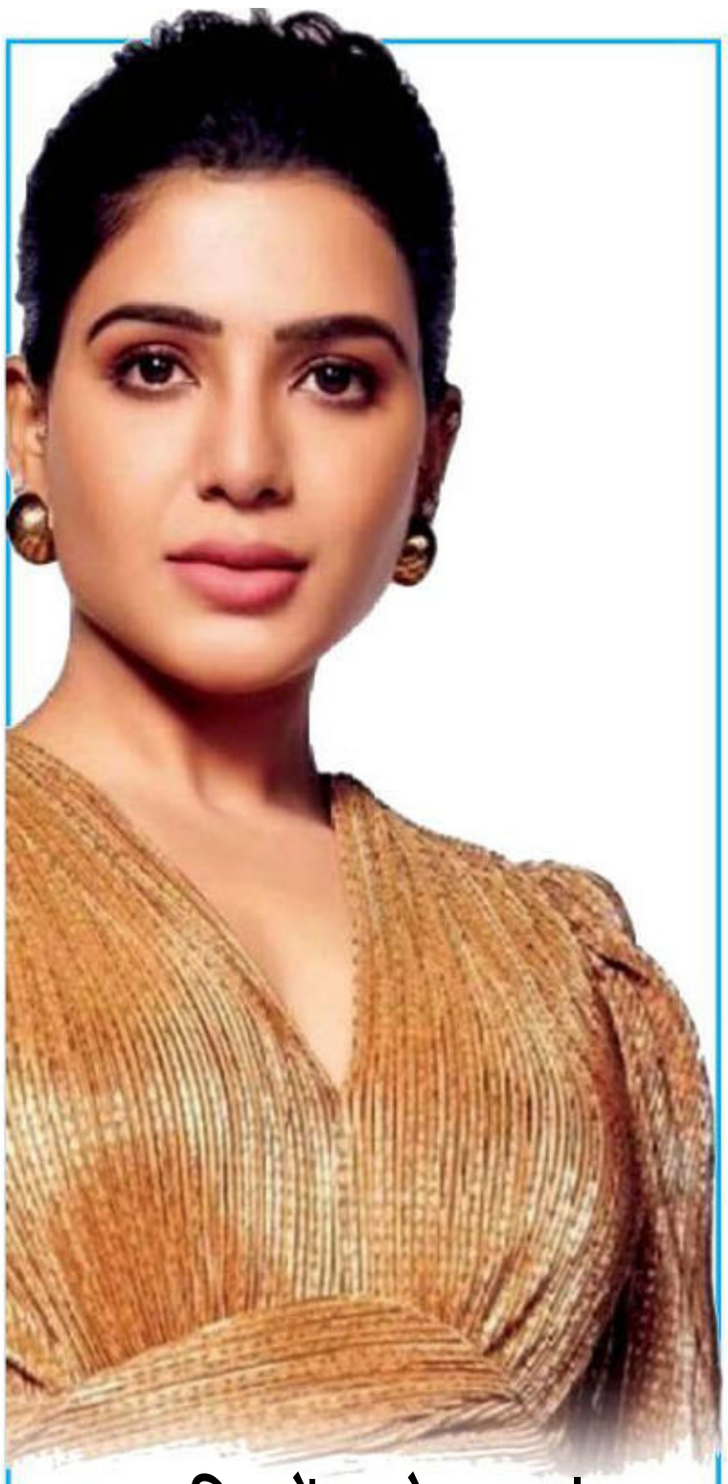

यह खासियतें एक्ट्रेस सामंथा अक्किनेनी को बनाती हैं अलग

यदि आपने उनके बारे में नहीं सुना है, तो आप निश्चित रूप से एक अलग दुनिया में जी रहे हैं। हम बात कर रहे हैं सामंथा अक्किनेनी की, जो तमिल और तेलुगु उद्योग में सबसे स्थापित अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने लुक्स, अपने शानदार अभिनय कौशल, बेदाग स्क्रीन उपस्थिति और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा के साथ उन्होंने साउथ में सभी का दिल जीत लिया है। अब मैनस्ट्रीम हिन्दी टाइटल में भूमिका निभाने की सामंथा की इच्छा आखिरकार पूरी हो रही है क्योंकि वह 'द फैमिली मैन' के नए सीजन के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फैंस उन्हें नए सीजन में श्रीकांत तिवारी से बदला लेने वाली राजी की भूमिका निभाते हुए देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आइए पढ़िए सामंथा से जुड़े दिलचस्प तथ्य.

दिल से एक मानवतावादी

सामंथा एक बेहतरीन कलाकार होने के साथ-साथ एक एनजीओ भी चलाती हैं जिसे उन्होंने 2012 में शुरू किया था। गैर-सरकारी संगठन को प्रत्यूषा सपोर्ट कहा जाता है जो महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करता है। वह मानवता में विश्वास करती है और समाज को एक बेहतर जगह बनाने के लिए अपना काम कर रही है। वह अपने एनजीओ को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ वह महिलाओं और बच्चों की मदद करने वाले अन्य एनजीओ को भी सहायता प्रदान करती है, साथ ही उन एनजीओ की भी मदद करती है जो सड़क पर रहने वाले जानवरों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सीखने की ललक और उत्साह

द फैमिली मैन के नए सीजन में सामंथा के किरदार का नाम राजी है, जो श्रीकांत के प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाने के अलावा एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करती है। भूमिका को यथासंभव यथार्थवादी बनाने और दिखाने के लिए, उन्होंने वास्तव में एक असली गारमेंट फैक्ट्री में बुनाई की कला सीखी और अपनी भूमिका के लिए वर्कर्स से सहायता ली है।

इंटेंस फिसिकल ट्रेनिंग

सामंथा ने राजी की भूमिका को यथासंभव वास्तविक रूप से चित्रित करने के लिए गहन और कठोर शारीरिक प्रशिक्षण ली है और ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरी हैं। उन्होंने हर दिन कई घंटे फिसिकल ट्रेनिंग ली थी और श्रृंखला में इस करैटर के लिए सचमुच अपना खून और पसीना बहाया है।

मेथड एटर

राजी के करैक्टर को समझने और उसके प्रति सच्चे होने की कोशिश करने के लिए, सामंथा ने इस बात पर गहन शोध किया था कि वह किरदार को स्क्रीन पर कैसे देखना चाहती हैं। उसने तीन दिनों के लिए खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और राजी के किरदार में ढलने के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज देखीं।

ओटीटी पर डेयू के साथ-साथ एशन सीन भी कर रहीं

द फैमिली मैन में सामंथा का डिजिटल डेब्यू उन्हें बिल्कुल नए अवतार में पेश करेगा। यह उनकी पहली डीग्लैमराइज्ड भूमिका है जहां वह हार्डकोर एक्शन स्टंट कर रही हैं और खुद को बचाने और अपने दुश्मन से लड़ने के लिए काफी कठोर दिल हैं। सामंथा के अभिनय करियर में पहली बार, हम उन्हें बंदूक पकड़े हुए देखेंगे।

आलिया भट्ट के साथ फिर रोमांस करेंगे रणवीर सिंह

फिल्म 'गली बॉय' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। वहीं अब खबर आ रही है कि यह जोड़ी एकबार फिर पर्दे पर रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों करण जौहर की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म का टाइटल 'प्रेम कहानी' रखा गया है। निर्माता एक अलग लेकिन रिलेटेड टाइटल की तलाश में थे और तभी उनको प्रेम कहानी नाम पसंद आया है। खबरों के अनुसार फिल्म मई के महीने में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार थी, लेकिन कोरोना ने निर्देशक की योजनाओं पर पानी फेर दिया। फिल्म पूरी तरह से दो अपोजिट किरदारों की लव स्टोरी है। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू करने से पहले क्रू मेंबर्स को वैक्सीन लगवाने का प्रॉसेस शुरू किया है। सेट डिजाइनिंग से लेकर सभी ?चीज वर्क इन प्रोग्रेस में है। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने कहानी और डायलॉग को लिख कर पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि आलिया भट्ट और रणवीर सिंह करण जौहर की पीरियड ड्रामा फिल्म 'तख्त' में भी नजर आने वाल हैं। हालांकि करण जौहर ने अभी अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को होल्ड पर कर दिया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, विक्की कौशल और भूमि पेडनेकर जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

स्टंट आर्टिस्टों की मदद के लिए आगे आए सलमान खान, अकाउंट में ट्रांसफर करेंगे पैसे

कोरोनावायरस महामारी के इस दौर में कई बॉलीवुड सेलेब्स ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। सलमान खान भी इस मुश्किल वक्त में हरसंभव मदद कर रहे हैं। वह इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की भी मदद कर रहे हैं। अब सलमान खान फिल्मों में स्टंट करने वाले आर्टिस्टों की मदद करने के लिए आगे आए हैं। खबरों के अनुसार सलमान खान ने नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ फिल्म स्टंट आर्टिस्ट एसोसिएशन से जुड़े कलाकारों की मदद के लिए हाथ मिलाया है। एक्शन डायरेक्टर एजाब गुलाब ने बताया कि उनके एसोसिएशन को अभी तक किसी भी तरह की मदद नहीं मिली है। लेकिन अब सलमान खान ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। जिसके बाद हमें अपने मेंबर्स के अकाउंट में वो पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं। इसके साथ ही नेटफ्लिक्स ने भी हमारे एसोसिएशन की मदद की है। जिससे उन्हें घर बैठे ही मदद मिल रही है। बता दे कि पिछले साल लगे लॉकडाउन में टाइगर श्रॉफ और अजय देवगन ने भी स्टंट आर्टिस्ट की मदद की थी। अजय ने 350 फाइटर्स के अकाउंट में 5000 हजार रुपए ट्रांसफर किए थे। जबकि टाइगर श्रॉफ ने 250 मेंबर्स की मदद के लिए राशन उपलब्ध करवाया था।

द फैमिली मैन 2 देखने के लिए बेकरार हैं सिद्धार्थ शुक्ला, मनोज बाजपेयी से की रिक्वेस्ट

सिद्धार्थ शुक्ला ने 'द फैमिली मैन' के सीजन 1 में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत द्वारा क्रेजी एक्सक्यूज यानी बहानों की तारीफ की। अब सिद्धार्थ शुक्ला ने अपने ट्विटर हैंडल पर मनोज बाजपेयी को टैग करते हुए उनमें से कुछ बहाने सिखाने की रिक्वेस्ट की है। बॉलिवुड ऐक्टर मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 2' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फैंस ने सीरीज का ट्रेलर काफी पसंद किया और इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'बिग बॉस' के सीजन 13 विनर और ऐक्टर सिद्धार्थ शुक्ला को बेब सीरीज में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत की क्वॉलिटी ने हैरान कर दिया है। ट्रेलर देखने के बाद सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल ने काफी तारीफ की थी। अब सिद्धार्थ शुक्ला ने एक बार फिर ट्वीट कर कहा है कि वह वेब सीरीज के रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकते और मनोज बाजपेयी से एक रिवेस्ट भी की। सिद्धार्थ शुक्ला ने 'द फैमिली मैन' के सीजन 1 में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत द्वारा क्रेजी एक्सक्यूज यानी बहानों की तारीफ की। अब उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर मनोज बाजपेयी को टैग करते हुए उनमें से कुछ बहाने सिखाने की रिक्वेस्ट की है। इसके अलावा उन्होंने वेब सीरीज को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। सिद्धार्थ शुक्ला ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'सीजन 1 में बहाने तो क्रेजी थे, हमें भी सिखा दो थोड़े बनाना मनोज बाजपेयी जी, काम आएंगे। द फैमिली मैन 2 के लिए उत्साहित हूं जो श्रीकांत वापस लाएंगे।' मनोज बाजपेयी ने सिद्धार्थ शुक्ला को जबाव देते हुए लिखा, 'हाहाहाहा' इससे पहले 'द फैमिली मैन 2' का ट्रेलर देखने के बाद शहनाज गिल ने ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा था, 'फैमिली मैन ट्रेलर देखकर मजा आ गया। सिद्धार्थ शुक्ला सीजन 1 वापस देखना बनता है, या कहते हो?' इस पर सिद्धार्थ शुक्ला ने जवाब देते हुए लिखा, 'श्री श्री श्रीकांत जी, को वापस देखना ही पड़ेगा। या कड़क ट्रेलर है।' मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 2' 4 जून को रिलीज होने वाली है। इस वेब सीरीज में मनोज बाजपेयी के अलावा सामंथा अक्किनेनी शारिब हाशमी, नीरज माधव, पवन चोपड़ा, गुल पनाग, श्रेया धनवंतरि, प्रियामणि, सीमा बिस्वास, दर्शन कुमार, शरद केलकर, सनी हिंदुजा, शहाब अली और वेदांत सिन्हा जैसे ऐक्टर्स भी नजर आएंगे।

हॉरर कॉमेडी फिल्म में रितेश देशमुख के साथ नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा!

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। अब खबरें आ रही है कि सोनाक्षी के हाथ एक और फिल्म लग गई हैं। इस फिल्म में वह पहली बार रितेश देशमुख के साथ नजर आने वाली हैं। खबरों के अनुसार सोनाक्षी सिन्हा हॉरर कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रही हैं। इस फिल्म को रोनी स्क्रूवाला बना रहे हैं। बताया जा रहा है। सोनाक्षी और रितेश इस फिल्म के लिए हां कर चुके हैं। वहीं फिल्म की तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है। इस फिल्म के निर्देशक के लिए किसी डेब्यू निर्देशक को भी साइन किया गया है। इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान में की जाएगी। सब कुछ सही रहा तो इसी साल सितंबर में शूटिंग शुरू हो जाएगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा भुज, बुलबुल तरंग और फालन जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वहीं रितेश देशमुख इन दिनों शशांक घोष की फिल्म का काम पूरा करने में जुटे हुए हैं।

कुछ महीने पहले उठाई थी बांसुरी

अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि वह बांसुरी बजाना सीख रही हैं उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ महीने पहले बांसुरी उठाई थी जब लॉकडाउन में ढील दी गई थी और शूटिंग फिर से शुरू हो गई थी। मुझे पियानो बजाना बहुत पसंद है, लेकिन बांसुरी मैं अपने बैग में ले जाती हूं, (और शूटिंग के बीच वैन में) बजाती हूं।''अदा ने पिछले साल भी बांसुरी में अपनी रुचि का जिक्र किया था। अक्टूबर 2020 में पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में अदा ने एक बांसुरी वादक द्वारा बजाई गई धुन को कैद किया था। वह अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति का उपयोग संगीतकार की मदद करने के लिए कर रही थी, जो लॉकडाउन के दौरान खाली सड़कों पर जीवन यापन करने के लिए संघर्ष कर रहा था। उन्होंने अपने अनुयायियों को उसके जैसे लोगों से संपर्क करने, उससे बांसुरी खरीदने और 'बांसुरीवाले भैया' से कला सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उस समय अपनी पोस्ट में यह भी कहा था कि उनके प्रशंसकों को 'जल्द ही मुझे वीडियो में बांसुरी बजाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।' अब ऐसा लगता है कि अदा आखिरकार एक बांसुरी वादक के रूप में अपने कौशल का समान कर रही है।

बीसीसीआई आईपीएल 2021 के शेड्यूल में बड़े बदलाव की तैयारी में

मुंबई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर 2021 के बाकी मैच यूएई में सफलतापूर्वक कराने की तैयारी शुरू कर दी है। लीग के लॉजिस्टिक पहलू पर चर्चा करने के लिए बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह सहित टॉप अधिकारी दुबई में मौजूद हैं। बीसीसीआई आईपीएल 2021 के शेड्यूल में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इसमें आयोजन स्थल से लेकर आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव की घोषणा होगी।रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल के बचे 31 मैचों को 25 दिनों की विंडों में समायोजित कर सकती है। बीसीसीआई 25 दिनों की विंडों में 8 डबल हेडर फिट करने के लिए नया शेड्यूल बना रहा है। बीसीसीआई आईपीएल का दूसरा चरण 17 से 19 सितंबर के बीच शुरू करने की योजना बना रहा है। इसकी उम्मीद है कि जून के खत्म होने से पहले आईपीएल के दूसरे चरण की घोषणा होगी। दुबई में मौजूद सूत्रों के मुताबिक शेड्यूल में बदलाव दो प्राथमिक वजहों से किया जाएगा।

यदि बायो बबल में कोरोना के केस सामने आने के बाद आईपीएल 2021 का निलंबित नहीं होता, तब बीसीसीआई के पास सिर्फ 6 डबल हेडर बचे थे। हालांकि अब छोटी सी विंडो है, जिसमें टी 20 वर्ल्डकप शुरू होने से पहले सभी मैच को पूरा करना है।इसकारण बीसीसीआई 8 से 10 डबल हेडर की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह ही आईपीएल यूएई के तीन शहरों शारजाह, अबूधाबी और दुबई में खेला जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई लीग मैचों के अंतिम चरण और फाइनल सहित नॉकआउट राउंड की मेजबानी केवल एक स्थान पर करने की योजना बना रहा है। इसके लिए दुबई पहली पसंद होने की संभावना है, क्योंकि अधिकांश फ्रेंचाइजी आईपीएल 2020 की तरह ही वहां अपना होटल बुक कर सकती हैं।

डबल हेडर के मुकाबले पिछले साल के समय के मुताबिक होने की संभावना है। आईपीएल 2020 की तरह डबल हेडर का पहला मैच3:30 बजे शुरू होगा, उसके बाद दूसरा मैच शाम 7:30 बजे होगा। गौरतलब है कि आईपीएल 2020 में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम अबू धाबी में ठहरी थी, जबकि बाकी टीमें दुबई में रहीं। बीसीसीआई के यूएई सरकार और ईसीबी सरकार के साथ बैठक के बाद फ्रेंचाइजी यूएई पहुंचने पर फैसला ले सकती हैं।

हार के बाद भी कुसल परेरा का प्रमोशन

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका के ओपनर बल्लेबाज कुसल परेरा को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। जबकि पिछले दिनों बांग्लादेश दौरे पर परेरा की कप्तानी में वनडे सीरीज में टीम को 1-2 से हार मिली थी। इसके बाद भी परेरा को वनडे के बाद टी20 का भी कप्तान बनाया गया है। श्रीलंका टीम को इंग्लैंड में तीन वनडे ओर तीन टी20 मैच की सीरीज खेलनी है। सीरीज की शुरूआत 23 जून से टी20 से होगी। अंतिम मैच 4 जुलाई को खेला जाएगा। सिर्फ तिषारा परेरा को ही एक भी मैच में जीत नहीं मिली है।

सबसे ज्यादा 26 मैच में कप्तानी करने का मौका दिनेश चांडीमल को मिला है। बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच चांडीमल और कुमार संगकारा ने जीते हैं। दोनों को 13-13 मैच में जीत मिली है। चोट के कारण विंडीज सीरीज से बाहर रहे अविष्का फर्नांडो को फिर टीम में जगह मिली है। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर तेज गेंदबाज नुवान प्रदीप को भी 24 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टीम 8 जून को रवाना होगी। क्वारंटाइन में रहने के बाद टीम 23 जून को पहला मुकाबला खेलेगी।

फीफा वर्ल्डकप कतर 2022 के क्वालीफाई के लिए ब्राजील में खेले जा रहे एक सूकर मैच के दौरान पेनाल्टी किक से गोल करने के बाद खुशी जाहिर करते ब्राजील के नेमार।

टेक्सास में यूएस जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करती मार्गन।

माही ने पीपल का पौधा लगाकर हरित दुनिया को संदेश दिया

रांची, (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस पर टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने पौधारोपण कर हरित दुनिया का संदेश दिया। शनिवार सुबह रांची के सैंबो स्थित अपने फार्म हाउस पहुंचकर माही ने पीपल का पौधा लगाया। इस मौके धोनी के साथ पहुंचे उनके करीबी मित्रों और फार्महाउस के कर्मचारियों ने भी पीपल के पौधे लगाए। पर्यावरण दिवस को ध्यान में रखकर बड़ी संख्या में धोनी के फार्म हाउस में पीपल और नारियल के पौधे मंगवाए गए थे। जिन्हें विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लगाया गया। फार्महाउस के मैनेजर कुणाल गौरव ने बताया कि धोनी पौधारोपण और पर्यावरण को लेकर शुरू से ही काफी संजीदा हैं।माही समय-समय पर अपने फार्महाउस में पौधे लगाने पर जोर देते रहे हैं।

धोनी के कृषि सलाहकार रोशन कुमार ने बताया कि फार्महाउस में कौन से पौधे कहां लगाये जाएंगे और किस पौधे की क्या अहमियत है,इस माही बखूबी समझते हैं। रोशन ने बताया कि आगे हरियाली को लेकर फार्महाउस में बड़े स्तर पर पौधारोपण किए जाने की योजना है। 43 एकड़ के फार्म हाउस में बड़े ही करीने ढंग से रोडमैप बनाकर फलों और सब्जियों की खेती की गई है। माही खुद भी चाहते हैं कि फार्म हाउस में प्रवेश करने से किसी को एक नजर में ही हरियाली का एहसास हो और वह सुकून महसूस कर सके।

इंग्लैंड पहुंचकर क्वारंटीन के दौरान अनुष्का ने दी पति विराट कोहली को छूट

साउथैम्प्टन, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम चार महीने के लिए इंग्लैंड पहुंच गई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 से 22 जून तक साउथैम्प्टन में ये चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। फिर भारत को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज खेलनी है। इस बीच, भारतीय कप्तान विराट के साथ इंग्लैंड गईं पत्नी अनुष्का शर्मा ने साउथैम्प्टन से अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ अनुष्का शर्मा ने कैप्शन लिखा- कुछ दिन तक घर पर काम न लाने का नियम फिलहाल विराट पर लागू नहीं होगा। क्योंकि हम स्टेडियम के पास ही क्वारंटीन हैं। ये कोई पहला मौका नहीं है, जब अनुष्का और बेटी वामिका विराट के साथ किसी टूर पर नजर आईं हैं। इस साल की शुरूआत में भी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के दौरान भी अनुष्का विराट के साथ नजर आई थी। ये तीनों मार्च में पुणे एयरपोर्ट पर नजर आए थे। दरअसल, पुणे में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे की सीरीज खेली गई थी। इसके अलावा आईपीएल 2021 के दौरान भी अनुष्का और वामिका भारतीय कप्तान के साथ स्टेडियम में कई बार दिखे थे। प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो अनुष्का की पिछली फिल्म जीरो 2018 में आई थी। इसके बाद से वो बड़े पर्दे से दूर हैं। लेकिन बतौर प्रोड्यूसर जरूर काम कर रही हैं। हाल ही में उनके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बुलबुल, पाताल लोक वेब सीरीज आई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर लक्ष्मण की आईसीसी को एक सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 से 22 जून तक साउथम्प्टन मैदान पर होगा। आईसीसी की ओर से पहली बार टूनार्मेंट का आयोजन किया जा रहा है। लेकिन टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि टूनार्मेंट के प्वाइंट सिस्टम में अहम बदलाव किया जाना है।मौजूदा सीजन के फाइनल में टीम इंडिया की भिड़ंत न्यूजीलैंड से होनी है। वीवीएस लक्ष्मण ने कहा, मेरे हिसाब से विदेश में मिलने वाली जीत पर अधिक अंक देना चाहिए,इस ओर आईसीसी को ध्यान देना चाहिए।उन्होंने कहा कि हर टीम को एक समान मैच और सीरीज खेलने का मौका मिलना चाहिए।अगर किसी टीम को अधिक मैच खेलने का मौका मिला या कोई टीम कम मैच खेलकर फाइनल में पहुंच जाती है,तब यह सही नहीं है। हालांकि इस बार कोविड-19 के कारण कुछ दिक्कत हुई है। लक्ष्मण का मानना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करना आसान नहीं है।

आईसीसी की ओर से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में मैच की संख्या को तय नहीं किया गया है। हालांकि सीरीज तय है।सभी टीम को कुल 6 सीरीज खेलनी हैं। 3 घर में और 3 घर के बाहर।लेकिन मैचों की संख्या के आधार पर अंक दिए जाने का प्रावधान है।अगर मैचों की संख्या बराबर होगी, तब एक सही आंकड़ा सबके सामने आएगा। इस बार न्यूजीलैंड की टीम कुल अंक के आधार पर पीछे होने के बाद भी फाइनल में पहुंची। औसत अंक के आधार पर फाइनल में पहुंचने वाली टीम का फैसला हुआ। वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि फाइनल से पहले दो टेस्ट मैच खेलने के कारण न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी है। लेकिन यह मैच हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हम हमेशा एमएस धोनी को याद करतें हैं, क्योंकि उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप का पहला सीजन जीता था। वहीं आज भी वह समय मुझे याद है जब 1983 में कपिल देव ने वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाई थी। क्योंकि यह टीम इंडिया का पहला वर्ल्ड कप का खिताब था।

बतौर कप्तान कपिल देव, सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी ही आईसीसी ट्रॉफी जीत सके हैं।अब लिस्ट में विराट कोहली भी शामिल हो सकते हैं।कपिल देव की कप्तानी में टीम इंडिया ने 1983 में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। सौरव गांगुली की कप्तानी में टीम 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी में चैंपियन बनीं।वहीं महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप, 2011 में वनडे वर्ल्ड और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए 23 जून को एक रिजर्व डे भी रखा गया है।

20 प्रारूप में ज्यादा एक्शन होता है : गावस्कर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का कहना है कि उन्हें अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना में टी 20 प्रारूप ज्यादा पसंद है, क्योंकि इसमें ज्यादा एक्शन है। पूर्व समय के कई खिलाड़ी टी20 प्रारूप की आलोचना कर चुके हैं, उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट के कारण टेस्ट क्रिकेट अपनी प्रासंगिकता खो रहा है। गावस्कर ने कहा, मुझे पता है कि कई लोग जो मेरे समय में खेलते थे वे टी20 प्रारूप से खुश नहीं है लेकिन मुझे यह पसंद है। मैं इस इसलिए पसंद करता हूं क्योंकि यह तीन घंटे का खेल है और इसमें जल्द नतीजे आ जाते हैं। उन्होंने कहा, जब कोई स्विच हिट और रिवर्स स्विप लगाता है,तब मुझे बेहद पसंद आता है क्योंकि ये बेहतरीन शॉट होते हैं और इसे खेलने के लिए प्रतिभा की जरूरत है।

बैन के बाद शाकिब अल हसन को बीसीबी ने सलाना कॉन्ट्रैक्ट में दी जगह

ढाका, (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टीम में वापसी करने के बाद तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए केंद्रीय अनुबंध से पुरस्कृत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन क्रिकेट के सभी प्रारूपों के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होंगे। समझा जाता है कि बीसीबी अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची को बोर्ड की आगामी बैठक में अनुमोदित करेंगे। 26 वर्षीय तस्कीन ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के बाद से ही अपने प्रदर्शन से चयन पैनल को प्रभावित किया है। तस्कीन, को उनकी चोट और खराब फॉर्म के कारण तीन साल के लिए दरकिनार कर दिया गया था, जबकि पिछले साल कुल 17 खिलाड़ियों को बीसीबी की केंद्रीय अनुबंध सूची में नामित किया गया था, जिसमें केवल सात खिलाड़ियों को ही लाल और सफेद गेंद दोनों के लिए अनुबंध मिला था, हालांकि इस साल भी अधिकतम 18 खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होने की संभावना है। ऑल-फॉर्मेट कॉन्ट्रैक्ट में जगह हासिल करने के बावजूद तस्कीन के नियमित रूप से टी-20 क्रिकेट में शामिल होने की संभावना कम है, क्योंकि टीम प्रबंधन को लगता है कि उनसे सर्वश्रेष्ठ सेवा लेने के लिए उनके कार्यभार को ठीक से प्रबंधित करने की आवश्यकता है। श्रीलंका के खिलाफ पिछली दो श्रृंखलाओं के दौरान टीम लीडर के रूप में बंगलादेश टीम प्रबंधन का हिस्सा रहे खालिद महमूद ने बताया कि वह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद के कार्यभार को लेकर चर्चा कर रहे हैं। महमूद ने कहा कि हमें यह समझना होगा कि हम तस्कीन पर अधिक भार नहीं डाल सकते, क्योंकि इसका प्रतिकूल असर हो सकता है। तस्कीन ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बहुत अधिक ओवर फेंके थे। एकदिवसीय योजनाओं में उनकी भागीदारी बहुत अधिक है, लेकिन अगर हम उन्हें हर समय तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए प्रेरित करेंगे तो यह लंबे समय तक नुकसानदायक हो सकता है। जानकारी के मुताबिक चयन पैनल ने पहले ही अनुबंधित क्रिकेटरों की सूची तैयार कर ली है जिसमें शाकिब अल हसन की ऑल-फॉर्मेट श्रेणी में वापसी पक्की है। उल्लेखनीय है कि सभी प्रारूपों के अनुबंध में शाकिब की वापसी ने उन अटकलों को भी खत्म कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि वह एक अनुबंधित क्रिकेटर के रूप में क्रिकेट खेलना जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं। बीसीबी ने शाकिब को पिछली बार राष्ट्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था, क्योंकि उन्हें अक्टूबर 2019 में भ्रष्ट गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट करने में विफल रहने के लिए आईसीसी द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था।

पेरिस में फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिलाओं के तीसरे राउंड के दौरान अमेरिका की सेरेना विलियम्स प्वाइंट लेने के बाद खुशी जाहिर करती हुई।

भारतीय क्रिकेट टीम एजेस बाउल पहुंचने के बाद क्वारंटाइन में

साउथेम्प्टन, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्विटर के माध्यम से इसकी पुष्टि कर दी है कि भारतीय क्रिकेट टीम एजेस बाउल पहुंचने के बाद क्वारंटाइन चरण में प्रवेश कर चुकी है। रिद्धिमान साहा, रोहित शर्मा और बुमराह ने मैदान में ही स्थित अपने करमों में पहुंचने के साथ ही एजेस बाउल से अपनी तस्वीरें पहले ही ट्वीट कर दी थीं। बीसीसीआई की पुष्टि इसके एक दिन बाद आई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारत से टीम की यात्रा केछोटे वीडियो के साथ ट्वीट किया, टीम इंडिया के इंग्लैंड पहुंचने पर रोमांच चरम पर है। वीडियो में खिलाड़ियों को इंग्लैंड की लंबी यात्रा पर फिल्में देखने के अलावा सोते हुए दिखाया गया है। वीडियों में बीसीसीआई ने कहा, द एजेस बाउल में आइसोलेशन होता है। खिलाड़ी अपने बेस पर पहुंच गए हैं। बीसीसीआई ने कोविड महामारी के मद्देनजर पुरुष और महिला दोनों टीमों को इंग्लैंड ले जाने के लिए एक चार्टर उड़ान की व्यवस्था की थी। टीमें अब द एजेस बाउल होटल में हिल्टन में क्वारंटीन से गुजर रही हैं।

ओलिम्पिक खेलों के लिए भारतीय दल की खेल किट रिलीज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टोक्यो 2020 ओलिम्पिक खेलों के लिए भारतीय ओलिम्पिक संघ ने भारतीय दल के लिए खेल किट रिलीज की है। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने ओलिम्पिक के लिए जाने वाले एथलीट बजरंग पुनिया, रवि कुमार, दीपक पुनिया, सुमित, सीमा बिस्ला और नीरज चोपड़ा यह किट पहने नजर आए। भारतीय ओलिम्पिक संघ के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने उन सभी एथलीटों को बधाई दी, जिन्होंने टोक्यो ओलिम्पिक खेलों में जगह बनाई है। डॉ. बत्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय एथलीट देश को गौरवान्वित कर और टोक्यो ओलिम्पिक खेलों में तिरंगा फहराएंगे। इस तरह महासचिव राजीव मेहता ने कहा कि भारतीय टीम के लिए स्पोर्ट्स किट का अनावरण भारतीय ओलंपिक संघ के पहले दूरदर्शी अध्यक्ष सर दोराबजी टाटा के स्मरण दिवस के साथ मेल खाता है, जो संगठन और टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बता दें कि टोक्यो ओलिम्पिक 23 जुलाई से 8 अगस्त तक होगा। इसमें 100 भारतीय एथलीट्स अब तक क्वालिफाई कर चुके हैं। भारतीय एथलीट्स, कोच, स्टाफ सदस्यों और विभिन्न सेरेमनी के लिए भी जर्सी रिलीज की गई है।

रेमंड औपचारिक किट वितरित करेगा और आधिकारिक खेल परिधान भागीदार ली-निंग टोक्यो जाने वाले एथलीटों के लिए यात्रा और खेल किट सहित खेल पोशाक की आपूर्ति करेगा। जर्सी पर राष्ट्रीय रंगों के कारण भारतीय ओलिम्पिक टीम की ऊर्जा और गौरव झलकती है। आधिकारिक किट के डिजाइन भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा डिजाइनर इदित्री गोयल की मदद और समर्थन से तैयार हुए हैं। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अब हर दिन, हर सैकेंड मायने रखता है। भारतीय ओलिम्पिक टीम की आधिकारिक किट का अनावरण एक महत्वपूर्ण पहलू है। मुझे यह कहकर खुशी हो रही है कि हमारे एथलीट सबसे बड़े खेल आयोजन के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। मैं हर भारतीय से भारतीय टीम को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता हूं।

भारत ओलिम्पिक खेलों के लिए एक मजबूत दल भेजेगा और अब तक मुक्केबाजी, हॉकी, कुश्ती, नौकायन, एथलैटिक्स, तीरंदाजी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, नौकायन, निशानेबाजी और टैबल टेनिस सहित 11 खेलों में भारतीय एथलीटों ने क्वालीफाई किया है। आने वाले दिनों में और अधिक खेलों में भारतीय एथलीटों क्वालीफाई हो सकते हैं। जिस दिन भारतीय जर्सी रिलीज हुई। उसी दिन जापान में एक भव्य समारोह के दौरान थीम म्यूजिक, खिलाडिों को मैडल के वक्त पहनाई जाने वाली पोशाकें और पोडियम डिजाइन आदि को रिलीज किया गया था।